■ श्रावण शुक्ल - 10 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 13 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 04-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 एशिया कप में भारत-पाकिस्तान का मैच भावनाओं का मजाक: आदित्य ठाकरे

6 भारतीय प्राचीन ग्रंथों में शिवलिंग

7 माइकल जैक्सन की बायोपिक अब अप्रैल 2026 में होगी रिलीज

फर्स्ट टेक

बेंगलूरु में 20 वर्षीय युवती से बलात्कार, पीजी मालिक गिरफ्तार

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु में पेइंग गेस्ट आवास चलाने वाले 37 वर्षीय व्यक्ति को 20 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान अशरफ के रूप में हुई है और वह केरल का रहने वाला है। उसने पीड़िता से दोस्ती की थी जो महज 10 दिन पहले ही पीजी में रहने आई थी। पीड़िता केरल की एक छात्रा है और अपनी शिकायत में उसने आरोप लगाया कि शुक्रवार की मध्य रात्रि के आसपास अशरफ उसे अपनी कार में शहर के उत्तरी बाहरी इलाके में एक सुनसान इलाके में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। उसने दावा किया कि इसके बाद आरोपी ने उसे घटना का खुलासा न करने की धमकी दी और उसे वापस पीजी में छोड़ दिया।

सीरिया में ताज़ा झड़पें शुरू

बेरूत/एपी। सीरिया में शनिवार रात से रविवार सुबह तक दो अलग-अलग स्थानों पर फिर हिंसक संघर्ष देखने को मिला, जिससे कमजोर पड़ रहे संघर्षविराम पर दबाव बढ़ा है और अंतरिम सरकार की पूरे देश में अपना नियंत्रण स्थापित करने की क्षमता पर सवाल उठने लगे। उत्तर में, सरकार से संबद्ध लड़ाकों ने कुर्द नेतृत्व वाला बलों का सामना किया। कुर्द बलों ने क्षेत्र के अधिकांश हिस्से पर कब्जा किया हुआ है जबकि दक्षिणी प्रांत सुवेदा में उनकी झड़प दरोज़ सशस्त्र समूहों से हुई। संघर्ष ऐसे वक्त हुआ है जब सीरिया की अंतरिम सरकार सुवेदा प्रांत में दरोज़ गुट के साथ पिछले महीने हुए संघर्ष विराम को बनाए रखने की कोशिश कर रही है। वहीं अमेरिका समर्थित, कुर्द नेतृत्व वाले सीरियाई डेमोक्रेटिक बलों (एसडीएफ) के साथ एक समझौते को लागू करने की कोशिश भी कर रही है।

रूस में सदियों में पहली बार ज्वालामुखी फटा

मास्को/एपी। रूस के सुदूर पूर्वी कामचटका प्रायद्वीप पर स्थित एक ज्वालामुखी रविवार रात फट गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि सैकड़ों वर्षों में यह पहली बार हुआ है। यह विस्फोट 8.8 तीव्रता के आये भीषण भूकंप के कुछ दिनों बाद हुआ है। क्रोनोट्स्की रिज़र्व के कर्मचारियों के अनुसार, क्रशेनिनिकोव ज्वालामुखी से आसमान में छह किलोमीटर तक राख उठी। सरकारी मीडिया द्वारा जारी की गई तस्वीरों में ज्वालामुखी के ऊपर राख के घने बादल उठते दिखाई दे रहे हैं। यह ज्वालामुखी क्रोनोट्स्की रिज़र्व के पास ही स्थित है। कामचटका के आपातकालीन मंत्रालय ने विस्फोट के दौरान टेलीग्राम पर लिखा, ''राख का गुबार ज्वालामुखी से पूर्व की ओर प्रशांत महासागर की ओर फैल रहा है।

04-08-2025 सूर्यास्त 6:45 बजे | 05-08-2025 सूर्योदय 6:06 बजे

BSE 80,599.91 (-585.67) | NSE 24,565.35 (-203.00)

सोना 10,345 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 116,251 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चोर चोर...

ये आए तो इनने उनकी,
गड़बड़ की फाइल रुकवाई।
वे ना करते कभी कहीं भी,
सरेआम उनकी रुसवाई ।
ये और वो सबको ही दिखते,
इक दूजे की ही परछाई।
इनको देख समझ गए सारे,
चोर चोर मौसेरे भाई।।

मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। बैठक का विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं हुआ है। राष्ट्रपति भवन ने 'एक्स' पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह मुलाकात बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की विपक्ष की मांग को लेकर संसद में गतिरोध के बीच हुई है। इक्कीस जुलाई को मानसून सत्र शुरू होने के बाद से संसद में बहुत कम कामकाज हुआ है। इसके अलावा राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री की यह मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से निर्यात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने और भारत द्वारा रूस से सैन्य उपकरणों व तेल खरीदने के कारण अनिर्दिष्ट जुर्माने की घोषणा किए जाने के कुछ दिन बाद हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल में हुआ अभूतपूर्व परिवर्तन : वैष्णव

- मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन सेवा जल्द शुरू होगी
- प्रतिदिन 12 किमी नई रेलवे लाइन बिछाई जा रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भावनगर/भाषा। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को यहां कहा कि प्रतिदिन लगभग 12 किमी नई लाइन बिछाई जा रही है, जो भारतीय रेल के इतिहास में पहली बार संभव हुआ है।

वैष्णव ने कहा कि मुंबईअहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना भी तीव्र गति से आगे बढ़ रही है और इसके जल्द चालू होने से इन दोनों शहरों के बीच यात्रा समय केवल दो घंटे सात मिनट रह जाएगा। उनके तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, रेल, श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमुबेन बांभणिया द्वारा आज भावनगर से तीन नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

अश्विनी वैष्णव ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। 34,000 किमी से अधिक नई रेलवे लाइनों का निर्माण किया गया है और प्रतिदिन लगभग 12 किमी नई लाइन बिछाई जा रही है, जो भारतीय रेल के इतिहास में पहली बार संभव हुआ है। 1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास कर उन्हें विश्व स्तरीय बनाया जा रहा है। साथ ही वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल जैसी आधुनिक ट्रेनें चलाई जा रही हैं और शीघ्र ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भी शुरू की जाएगी।

इसके अलावा, रेल मंत्री ने यह भी घोषणा की कि बहुत शीघ्र वाँसजालिया एवं जेतलसर होते हुए पोरबंदर से राजकोट के बीच एक नई ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी, जिससे क्षेत्र में रेल संपर्क और बेहतर होगा।

राष्ट्र-विरोधी हैं राहुल गांधी : हिमंत

केवल बांग्लादेश और पाकिस्तान के मुसलमानों का समर्थन करते हैं राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्र-विरोधी हैं और केवल बांग्लादेश और पाकिस्तान के मुसलमानों का समर्थन करते हैं।

'बोडोलैंड टेरीटोरियल रीजन' में एक चुनाव प्रचार सभा से इतर शर्मा ने संवाददाताओं के साथ बातचीत में यह दावा भी किया कि कांग्रेस कामाख्या मंदिर और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव जैसे ''असम की पहचान के प्रतीकों का सम्मान नहीं करती।''

शर्मा ने आरोप लगाया, ''राहुल गांधी भारत-विरोधी हैं। वह केवल बांग्लादेशी और पाकिस्तानी मुसलमानों के साथ हैं। वह न तो भारतीय हिंदुओं के साथ हैं न ही भारतीय मुसलमानों के साथ। राहुल गांधी की शख्सियत भारत विरोधी है।'' हालांकि, असम के मुख्यमंत्री ने इस बारे में कुछ नहीं बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी के लिए उन्होंने ''राष्ट्रविरोधी'' शब्द का इस्तेमाल क्यों किया।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के असम दौरे के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा कि उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे प्रियंका गांधी के असम आने से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन असम की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं प्रियंका गांधी से 100 गुना अधिक आगे हैं। असम की महिलाएं, खासकर स्वयं सहायता समूह की सदस्य हर मामले में प्रियंका गांधी को मात देंगी।'' उन्होंने सवाल किया, ''वह (प्रियंका गांधी) हमारी महिलाओं से मुकाबला नहीं कर सकतीं। हमारी महिलाएं लारू, पीठा जैसी पारंपरिक असमिया मिठाइयां बनाती हैं, धान के खेतों में काम करती हैं और अपने बच्चों को स्कूल-कॉलेज भेजती हैं। प्रियंका गांधी हमारी महिलाओं से कैसे मुकाबला कर सकती हैं?''

मिजोरम में करीब 350 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

आइजोल/भाषा। मिजोरम में राज्य पुलिस ने लगभग 350 करोड़ रुपए मूल्य का क्रिस्टल मेथामफेटामीन (मेथ) और हेरोइन जब्त की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक अगस्त को आइजोल के पास अपराध जांच विभाग (विशेष शाखा) और विशेष मादक पदार्थ पुलिस थाने की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, संयुक्त टीम ने जेमाबॉक और सेलिंग क्षेत्रों के बीच एक हिस्से में मिथुन (पशु) को ले जा रहे एक पिकअप ट्रक को रोका। एक अधिकारी ने बताया कि वाहन की गहन तलाशी के दौरान टीम ने लगभग 20.304 किलोग्राम क्रिस्टल मेथ (करीब 300 करोड़ रुपए मूल्य) और 128 साबुन के डिब्बों में छिपाई गई करीब 1.652 किलोग्राम हेरोइन (लगभग 49.56 लाख रुपए मूल्य) बरामद किया। उन्होंने बताया कि वाहन चालक की पहचान आइजोल के रिपब्लिक मुअल वेंग निवासी बी. ललथाजुआला (45) के रूप में हुई है जिसे मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वंतारा से 'महादेवी' की वापसी के लिए हजारों लोग मौन मार्च में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्हापुर/भाषा। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में रविवार को हजारों लोगों ने एक 'मौन मार्च' में भाग लिया, जिसमें मांग की गई कि 36 वर्षीय हथिनी 'महादेवी' (जिसे माधुरी भी कहा जाता है) को गुजरात के जामनगर जिले के वंतारा वन्यजीव बचाव, उपचार एवं पुनर्वास केंद्र से वापस लाया जाए।

यह मार्च सुबह नंदनी से शुरू हुआ और जिला कलेक्ट्रेट के बाहर समाप्त हुआ जिसका नेतृत्व पूर्व सांसद राजू शेट्टी ने किया। जिला कलेक्ट्रेट में हाथी की वापसी के लिए अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। शेट्टी ने मार्च में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए कहा, जब माधुरी को ले जाया जा रहा था तो वह रो रही थी। जिस स्थान पर उसे स्थानांतरित किया गया है, वहां 225 हाथी हैं, लेकिन फिर भी वे उसे चाहते थे, क्योंकि वह बहुत सुंदर है।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि शुक्रवार को कोल्हापुर में हुई बैठक में वंतारा के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वे महादेवी को कोल्हापुर जिले के नंदनी में वापस लाने के प्रयासों में सहयोग करेंगे।

'महादेवी' तीन दशकों से अधिक समय तक नंदनी में श्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी जैन मठ में थी। उसे इस सप्ताह की शुरुआत में अदालत के फैसले के बाद वंतारा के राधे कृष्ण मंदिर हाथी कल्याण ट्रस्ट में स्थानांतरित कर दिया गया।

बंबई उच्च न्यायालय ने 16 जुलाई को महादेवी को जामनगर में वंतारा के सुविधा केंद्र में पुनर्वासित करने का आदेश दिया था। यह आदेश एक गैर सरकारी संगठन द्वारा महाराष्ट्र वन विभाग और उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) के समक्ष उसके बिगड़ते स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक पीड़ा पर चिंता जताए जाने के बाद दिया गया था।

उच्चतम न्यायालय ने 25 जुलाई को उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा।

पांच सौ रुपए के नोट का एटीएम से वितरण बंद करने की बात 'झूठी' : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने कई सोशल मीडिया मंचों पर फैलाए जा रहे इस संदेश को असत्य बताया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को 500 रुपए के नोट का एटीएम से वितरण सितंबर तक बंद करने का निर्देश दिया है।

सरकार की ओर से ऐसी खबरों को 'झूठ' बताया गया है। सूचना प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने रविवार को अपने फैक्टचेक पर एक बयान में कहा है कि ' व्हाट्सऐप पर इसी दावे वाला एक झूठा संदेश फैल रहा है' जिसमें बैंकों को 500 रुपए के नोटों का एटीएम से वितरण रोकने के लिए कहा गया है।

सरकारी बयान में कहा गया है, 'आरबीआई द्वारा ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है। 500 रुपए के नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। सरकार ने लोगों से कहा है कि वे इस निराधार सूचना पर ध्यान न दें और कोई भी समाचार सोशल मीडिया पर फैलाने से पहले उसकी सच्चाई को परखें।

उल्लेखनीय है कि 08 नवंबर 2016 को उस समय के चलन में 500 और 1000 के नोट का रिजर्व बैंक ने विमुद्रीकरण कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनता के पास पड़े इन दोनों मूल्य के नोटों के बदले उन्हें बैंकों और डाकघरों के माध्यम से 500, 200 और 2000 के नये नोट और पहले से प्रचलन में चल रहे छोटे नोट जारी किये थे।

इससे पहले जून में भी कुछ सोशल मीडिया पर ये खबर फैलायी जा रही थी कि 500 की करेंसी धीरे धीरे मार्च 2026 तक चलन से बाहर कर दी जाएगी।

ब्रुक और रूट की शतकीय पारियों के बाद

कृष्णा ने कराई भारत की वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। हैरी ब्रुक (98 गेंद में 111 रन) और जो रूट (152 गेंद में 105 रन) की शतकीय पारियों के बाद दिन के आखिरी सत्र में प्रसिद्ध कृष्णा (109 रन पर तीन विकेट) और मोहम्मद सिराज (95 रन पर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की श्रृंखला का आखिरी टेस्ट बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है।

श्रृंखला में 2-1 से आगे इंग्लैंड ने जीत के लिए ओवल मैदान पर रिकॉर्ड 374 रन का पीछा करते हुए रविवार को चौथे दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 339 रन बना लिये हैं।

दिन के आखिरी सत्र में अंपायरों ने लाइट मीटर से प्राकृतिक रोशनी को मापने के बाद खेल को रोकने का इशारा किया। खिलाड़ियों के मैदान से बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद तेज बारिश होने लगी और मैदानकर्मियों को पिच को कवर से ढकना पड़ा।

इस समय जैमी स्मिथ दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे जबकि जैमी ओवरटन ने खाता नहीं खोला था। अंपायरों ने शाम के छह बजे (स्थानीय समय) दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी।

भारतीय गेंदबाजों ने दिन की शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की लेकिन हैरी ब्रुक ने क्रीज पर आते ही आक्रामक बल्लेबाजी कर उन पर दबाव बना दिया।

ब्रुक ने कृष्णा की गेंद पर मोहम्मद सिराज से 19 रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए अपनी आक्रामक पारी में 14 चौके और दो छक्के जड़ने के अलावा रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए 195 रन की साझेदारी से मैच पर टीम का दबदबा कायम किया।

रूट भी दिन के आखिरी सत्र में श्रृंखला में लगातार तीसरा शतक पूरा कर सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गये। रूट के टेस्ट करियर का यह 39वां शतक है और वह इस सूची में सचिन तेंदुलकर (49), जैक कालिस (45) और रिकी पोंटिंग (41) के बाद चौथे स्थान पर है।

अदालत का फैसला 'भगवा आतंकवाद' कहने वालों के मुंह पर तमाचा : साध्वी प्रज्ञा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मालेगांव बम विस्फोट मामले में बरी की गईं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने रविवार को कहा कि अदालत का फैसला हिन्दुत्व की जीत और 'भगवा आतंकवाद' कहने वालों के मुंह पर करारा तमाचा है।

अदालत के फैसले के बाद पहली बार भोपाल पहुंचीं ठाकुर ने यहां राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में कहा, यह हिन्दुत्व और धर्म की विजय है, भगवा की विजय है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है सत्यमेव जयते, यह सिद्ध हुआ है। भगवा आतंकवाद कहने वालों के मुंह काले हुए हैं।

भोपाल की पूर्व सांसद ने कहा, उनको (भगवा आतंकवाद कहने वालों) समाज ने और देश ने बहुत अच्छे से जवाब दिया है। अदालत का निर्णय स्पष्ट है और वह विरोधियों तथा भगवा आतंकवाद कहने वालों के मुंह पर तमाचा है।

महाराष्ट्र में नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और 101 घायल हो गए थे।

विशेष अदालत ने ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को 30 जुलाई को बरी करते हुए कहा था कि उनके खिलाफ कोई 'विश्वसनीय और ठोस सबूत' नहीं हैं।

भोपाल स्थित आवास पर ठाकुर के पहुंचने के बाद उनका फूल-मालाओं और ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया और मिठाइयां भी बांटी गईं।

ठाकुर ने एक बार फिर वह आरोप दोहराया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि जांच अधिकारियों ने उन्हें प्रताड़ित किया और उन पर कई लोगों के नाम लेने का दबाव बनाया गया। उन्होंने कहा, ...दबाव था लेकिन मैं इसमें आई नहीं। मैंने किसी का भी झूठा नाम नहीं लिया। इसलिए मुझे इतना प्रताड़ित किया गया।

ठाकुर ने शनिवार को मुंबई में दावा किया था कि जांच अधिकारियों ने उन्हें प्रताड़ित किया था और उनसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई लोगों के नाम लेने को कहा था।

ऐसा पहली बार है जब ठाकुर ने यह सनसनीखेज दावा किया, जिसका एनआईए की विशेष अदालत के 1036 पृष्ठों के फैसले में कोई उल्लेख नहीं है।

ठाकुर शनिवार को कुछ औपचारिकताएं पूरी करने के लिए सत्र अदालत में पेश हुईं। अदालत के बाहर पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने दावा किया कि पूछताछ के दौरान उन्हें प्रताड़ित किया गया था।

'जीतो' साउथ चैप्टर की अगुवाई में पगारिया जेबीएन राष्ट्रीय बिजनेस सम्मिट का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो साउथ चैप्टर के अंतर्गत जेबीएन पगारिया समूह द्वारा जीतो केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय बिजनेस सम्मिट 2025 का आयोजन पैलेस ग्राउंड पर किया गया। इवेंट्स एवं हॉस्पिटलिटी इंडस्ट्री पर केंद्रित इस बी2बी सम्मेलन में बेंगलूरु सहित 13 जीतो चैप्टर्स से आए 380 से अधिक इंडस्ट्री लीडर्स, विशेषज्ञों एवं प्रोफेशनलों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रतिनिधियों को की-नोट सेशन्स, पैनल डिस्कशंस और नेटवर्किंग के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने, सहयोग करने और नए व्यापारिक अवसरों को तलाशने का मंच प्रदान किया गया। साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया। महासचिव नितिन लूनिया ने कार्यक्रम की जानकारी दी। जेबीएन के महासचिव सीए अजय जैन, चेयरमैन कैलाश गोलेच्छा व केकेजी ज़ोन चेयरमैन प्रवीण बाफ़ना अपने विचार व्यक्त किए।

जीतो अपेक्स के निदेशक नरेंद्रसिंह सामर, पूर्व चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

दोपहर के सत्र में पैनल डिस्कशन में पंकज जैन ने पैनलिस्ट्स राखी ललवानी, शुगुन पन्नू, एमजे राकेश, मनीष गुलेच्छा, मीतिन बारू और मेगा मोदी से इवेंट्स इंडस्ट्री की चुनौतियों, नवाचार और रचनात्मकता पर चर्चा की। अंतरा भार्गव ने हरित परिवर्तन का नेतृत्व करने का आह्वान किया। मेकअप आर्टिस्ट मायूरी वर्मा ने ग्लैमर इंडस्ट्री में आत्म-प्रस्तुति पर व्यावहारिक सुझाव साझा किए। मीनाक्षी मेहता किसी भी कार्यक्रमके तकनीक पहलू पर प्रकाश डाला। वेडिंग प्लानर अनीश वाशा ने वेडिंग चेकलिस्ट की आवश्यकता, प्रभावी संवाद और पेशेवर प्रस्तुति के महत्व को समझाया। आलोक जैन ने पर्सनल ब्रांडिंग पर प्रकाश डाला। श्रीकांत कानोई द्वारा संचालित अंतिम पैनल डिस्कशन में आरजे स्निग्धा, यश जैन, मीनाक्षी मेहता, अश्विनी आर्या, सपना सांघवी ने इवेंट्स इंडस्ट्री में तकनीक, अनुभव और ब्रांडिंग पर अपने विचार साझा किए।

'हितधारकों को कारोबारी सुगमता प्रदान करेगी प्रस्तावित खनन नीति'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि केंद्र द्वारा बनाई जा रही खनन नीति से कारोबार करना आसान हो जाएगा क्योंकि सभी मंज़ूरियांती न महीने में दे दी जाएंगी ताकि खनन प्रक्रिया चौथे महीने में शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि नई खनन नीति के तहत सभी अड़चनें दूर कर दी जाएंगी।

केंद्रीय मंत्री नागपुर में 'भारत एट 100 विदर्भ की विकसित भारत की यात्रा का मार्ग प्रशस्त करता है' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। विदर्भ के गढ़चिरौली ज़िले में खनन और इस्पात के क्षेत्र में हो रहे विभिन्न विकासों के बारे में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक खनन नीति तैयार कर रही है। उन्होंने कहा, यह खनन नीति हाल ही में मंत्रिमंडल की बैठक में अनुमोदन के लिए आई थी। हालांकि, प्रधानमंत्री इस पर पूरी तरह सहमत नहीं थे और मेरे कुछ सुझाव देने के बाद, उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) मंत्रिमंडलीय सचिव को मेरे साथ नीति पर चर्चा और समीक्षा करने का निर्देश दिया। गडकरी ने कहा कि उनका सुझाव है कि नीति में खनन प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करने की अनुमति होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पर्यावरणीय मंज़ूरी अधिकतम एक महीने में दे दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, इसी तरह, राज्य और केंद्र सरकार सभी ज़रूरी मंज़ूरियां देंगी। इस प्रकार, तीन महीनों में सभी आवश्यक अनुमतियां दे दी जाएंगी और चौथे महीने में उत्पादन शुरू हो जाना चाहिए। इससे कारोबारी सुगमता होगी क्योंकि सभी अड़चनें दूर हो जाएंगी। विदर्भ में रोज़गार के और अवसर पैदा करने की बात करते हुए, मंत्री ने महात्मा गांधी और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कथनों को याद किया।

दलाई लामा ने लद्दाख में चौखांग विहार मठ के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी

लेह/भाषा। दलाई लामा ने रविवार को यहां चौखांग विहार मठ के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में धार्मिक नेता, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे। चौखांग विहार में, दलाई लामा का स्वागत लद्दाख बौद्ध संघ के अध्यक्ष चेरिंग दोरजय लकरुक ने किया।

शिलान्यास के बाद तिब्बती आध्यात्मिक नेता ने कहा, यह केवल अनुष्ठानिक प्रार्थनाओं और निरर्थक बातचीत का स्थान न बने, बल्कि बौद्ध दर्शन पर गहन अध्ययन का केंद्र बने, जो पीढ़ियों के लिए ज्ञान का स्रोत हो। वर्ष 1957 में निर्मित इस मठ में बाढ़ के कारण दरारें पड़ने और अन्य क्षति होने के बाद इसका पुनर्निर्माण किया जाना है।

टीपीएफ वेस्ट द्वारा 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम वेस्ट(टीपीएफ) द्वारा आरआर नगर स्थित एक होटल में 'मिशन दृष्टि मेगा आई कैंप' के सभी संयोजकों और स्वयंसेवकों के सम्मान किया गया तथा मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम का आयोजन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने सभी स्वयंसेवकों के सहयोग की सराहना की तथा कहा कि टीपीएफ ने जो एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त किया गया उसका श्रेय सभी कार्यकर्ताओं को जाता है। टीपीएफ वेस्ट के अध्यक्ष ललित बेगानी ने कहा कि यह सफलता टीम वर्क का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। इस अवसर पर डॉ. प्रकाश छाजेड़ संजय चोरडिया, कौशल खटेड, आशुतोष नाहर, दिव्या जैन सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

कविता ने टिप्पणियों के पीछे अंदरूनी साजिश का लगाया आरोप

बीआरएस के मतभेद फिर आये सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष एवं विधानपरिषद सदस्य के. कविता ने रविवार को आरोप लगाया कि उनके खिलाफ की गई 'अनुचित टिप्पणी' के पीछे पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का हाथ है। इसी के साथ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के ''आंतरिक मतभेद'' फिर से सामने आ गए हैं।

कविता ने हालांकि टिप्पणियों की प्रकृति का खुलासा नहीं किया, लेकिन यह जरूर कहा कि इस मुद्दे पर उनकी पार्टी के सहयोगियों की चुप्पी बहुत कुछ कह रही है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, जब मेरे यानी तेलंगाना की बेटी के खिलाफ अनुचित टिप्पणियां की गईं, तो पूरे राज्य को बुरा लगा। कई लोगों ने प्रतिक्रिया व्यक्त की। लेकिन किसी कारण से, बीआरएस में मेरे भाई चुप रहे। हमें यह सवाल पूछना होगा कि ऐसा क्यों हुआ। कविता ने दावा किया कि उनके पास पुख्ता जानकारी है कि पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने ऐसी टिप्पणियों करने के लिए भड़काया है। उन्होंने कहा, ये षड्यंत्रकारी सोचते हैं कि वे मेरे समर्थकों के बीच लोगों को घुसाकर मेरे बारे में जानकारी इकट्ठा कर सकते हैं। लेकिन उन्हें पता होना चाहिए-मुझे भी पता है कि पार्टी के अंदर क्या हो रहा है। उन्होंने दावा किया, मैं जानती हूं कि आपने किससे मुलाकात की, किसे मेरे खिलाफ बोलने के लिए उकसाया। आप एक महिला को निशाना बनाने के लिए कितने गिर गए। मैं यह सब देख रही हूं। बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव (केसीआर) की बेटी कविता ने कहा कि वह 'कर्म में विश्वास करती हैं'।

निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता संदिग्ध, विपक्ष संसद में चर्चा चाहता है: गौरव गोगोई

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई ने रविवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता संदिग्ध है और यही वजह है कि विपक्षी दल संसद में मतदाता सूची के संशोधन पर चर्चा चाहते हैं।

कांग्रेस की असम इकाई की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक शुरू होने से पहले पत्रकारों के साथ बातचीत में गोगोई ने सवाल किया, आज लोगों के मन में निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर सवालिया निशान है। इसलिए हम संसद में चर्चा चाहते हैं। सरकार कुछ छिपाने की कोशिश कर रही है। वह क्या है? क्या यह पिछले विस चुनावों और लोकसभा चुनावों में उनकी हेराफेरी है?'' गोगोई ने कहा कि विपक्ष बिहार में जारी संशोधित मतदाता सूची के मुद्दे पर संसद में खुली चर्चा चाहता है। आम लोगों को मताधिकार की स्थिति और मतदान केंद्रों का विवरण पता होना चाहिए। हम इस पर चर्चा चाहते हैं, लेकिन सरकार कह रही है कि इस मामले पर चर्चा नहीं की जा सकती।

आरबीआई रेपो दर को रख सकता है यथावत : विशेषज्ञ

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बुधवार को अपनी आगामी द्विमासिक मौद्रिक नीति में प्रमुख अल्पकालिक उधारी दर को लगातार तीन कटौतियों के बाद 5.5 प्रतिशत पर यथावत रख सकता है। विशेषज्ञों का यह कहना है। हालांकि, अमेरिका में शुल्क की बढ़ती अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति के कम होते रुझानों के मद्देनज़र निकट भविष्य में आर्थिक वृद्धि के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां हैं। दूसरी ओर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक दरों में एक और कटौती कर सकता है क्योंकि वृद्धि के दृष्टिकोण के लिए चुनौतियां संभावित मुद्रास्फीति जोखिमों से ज़्यादा हैं। केंद्रीय बैंक पहले ही अल्पकालिक उधार दर (रेपो) में लगातार तीन बार कटौती कर चुका है, जो कुल मिलाकर एक प्रतिशत हो गई है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, छह सदस्यीय दर-निर्धारण समिति - मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) - की अध्यक्षता करते हुए, बुधवार (छह अगस्त) को अगली द्विमासिक नीति दर की घोषणा करेंगे। एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक सोमवार से शुरू होगी। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि ऋण नीति जून में कम मुद्रास्फीति और 25 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क के हालिया घटनाक्रमों पर आधारित नहीं होगी। उन्होंने कहा कि नीति पहले ही जून में 26 प्रतिशत शुल्क को समाहित कर चुकी होगी, जिसेअप्रैल में टाल दिया गया था। सबनवीस ने कहा कि ऋण नीति जून में कम मुद्रास्फीति और 25 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क के हालिया घटनाक्रमों पर आधारित नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जून में, नीति पहले ही 26 प्रतिशत शुल्क को बफर कर चुकी होगी, जो अप्रैल में स्थगित दर थी।

कांग्रेस ने भाजपा शासित राज्यों में महिला सुरक्षा पर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध की हालिया घटनाओं को लेकर रविवार को पार्टी पर निशाना साधा और पीड़ित परिवारों के लिए उचित मुआवजे एवं सुरक्षा तथा ऐसे मामलों से निपटने के लिए त्वरित अदालतों की मांग की। कांग्रेस की महिला इकाई की अध्यक्ष अलका लांबा ने ओडिशा की 15 वर्षीय लड़की की मौत को लेकर भाजपा पर हमला बोला, जिसे पुरी जिले में तीन अज्ञात बदमाशों ने कथित तौर पर आग लगा दी थी।

दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज के दौरान लड़की की इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप अपराधियों को पकड़ने और उन्हें सजा दिलाने में विफल रहे। बेटी की मौत हो गई और आज पुलिस कह रही है कि इसमें कोई शामिल नहीं था। लांबा ने यह भी कहा कि मध्यप्रदेश में विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने पूछा था कि 2022 से 2024 तक राज्य में एससी-एसटी समुदाय की कितनी महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ, और जवाब मिला कि 7,418 महिलाओं के साथ ऐसा हुआ। उन्होंने कहा, ओडिशा की एक लड़की की मौत हो गई। इससे पहले फकीर मोहन कॉलेज में पढ़ने वाली एक लड़की ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, लेकिन उसे न्याय नहीं मिला। उसने खुद को आग लगा ली। उस लड़की की भुवनेश्वर में मौत हो गई और अब 15 साल की एक लड़की की दिल्ली एम्स में मौत हो गई। लांबा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में धर्म के नाम पर पुलिस ने ईसाई मिशनरियों से जुड़ी बहनों को गिरफ्तार किया।

संसद में गतिरोध के बीच सरकार विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली/भाषा। संसद में जारी गतिरोध के बीच सरकार सोमवार को लोकसभा में एक महत्वपूर्ण खेल विधेयक को पारित कराने पर जोर दे सकती है, क्योंकि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की विपक्ष की एकजुट मांग को सत्तारूढ़ गठबंधन से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है।

निचले सदन ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक को विचार एवं पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है, जिसमें खेल निकायों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता की परिकल्पना की गई है। राज्यसभा ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को छह महीने के लिए बढ़ाने संबंधी गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्ताव को पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है। पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दोनों सदनों में दो दिवसीय चर्चा को छोड़कर, 21 जुलाई को मानसून सत्र शुरू होने के बाद से संसदीय कार्यवाही लगभग ठप रही है, क्योंकि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा विपक्षी दल लगातार उठा रहे हैं।

श्रीनगर हवाई अड्डे पर वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने चार कर्मचारियों से मारपीट की, एफआईआर दर्ज : स्पाइसजेट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/नई दिल्ली/भाषा। पुलिस ने पिछले हफ्ते श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी एयरलाइन के चार कर्मचारियों पर कथित तौर पर हमला करने और उन्हें घायल करने के आरोप में एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हमले में एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। अधिकारियों ने रविवार को यहां यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 26 जुलाई को सेना अधिकारी द्वारा अतिरिक्त सामान शुल्क के भुगतान को लेकर हुए विवाद के बाद स्पाइसजेट एयरलाइन के कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप में लेफ्टिनेंट कर्नल आर के सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 115 किसी अन्य व्यक्ति को स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के अपराध से संबंधित है।

जगन ने नायडू पर किसानों को धोखा देने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने शनिवार देर रात आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर किसानों को ''धोखा'' देने का आरोप लगाया। रेड्डी ने कहा कि नायडू ने 'रायथु भरोसा' योजना को समाप्त कर दिया, जिसके तहत किसानों को निवेश सहायता प्रदान की जाती थी। उन्होंने कहा कि नायडू चुनाव पूर्व किए गए वादों से भी पीछे हट गए हैं।

रेड्डी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, नायडू एक बार फिर किसानों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने रायथु भरोसा योजना को समाप्त कर दिया और चुनाव पूर्व किए गए वादों से मुकर गए। उन्होंने दावा किया कि पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार ने अपने चुनावी वादे से भी अधिक हर किसान को सालाना 13,500 रुपए दिए और सरकारी खजाना खाली होने के बावजूद कुल 34,288 करोड़ रुपए की निवेश सहायता वितरित की। रेड्डी ने कहा कि नायडू ने अन्नदाता सुखीभव-प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत सालाना 20,000 रुपए देने का वादा किया था, लेकिन अब तक दो वर्षों में केवल 5,000 रुपए का भुगतान किया है जिसमें केंद्र का 6,000 रुपए का योगदान शामिल नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मनमाने नियमों के कारण करीब सात लाख पात्र किसानों को लाभ से वंचित कर दिया गया। रेड्डी ने कहा कि खरीफ सीजन शुरू हुए दो महीने से अधिक हो गए हैं, लेकिन अब तक एक भी रुपया जारी नहीं किया गया जिससे किसान निजी कर्ज लेने को मजबूर हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने मूल्य स्थिरीकरण कोष, बिना ब्याज वाले ऋण और मुफ्त फसल बीमा जैसी योजनाएं बंद कर दी हैं।

पश्चिम बंगाल के उत्तरी क्षेत्र में भारी बारिश के कारण तीस्ता, जलढाका नदियां उफान पर

कोलकाता/जलपाईगुड़ी (प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तरी क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण तीस्ता और जलढाका सहित नदियां उफान पर हैं, जिससे निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं और सिक्किम तथा कलिम्पोंग से सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने क्षेत्र में बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि राज्य के उप-हिमालयी जिलों में मंगलवार सुबह तक बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

एक अधिकारी ने बताया कि रातभर हुई भारी बारिश के कारण तारखोला में भूस्खलन हुआ, जिससे सिक्किम को सिलीगुड़ी से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पर वाहनों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई। उन्होंने बताया कि छोटे वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा गया है, जबकि भारी वाहनों की आवाजाही को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। जलपाईगुड़ी शहर के बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार, तीस्ता नदी के आसपास के क्षेत्र दोमोहानी और मेखलीगंज तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 31 के पास 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है।

यहां लगातार बारिश के कारण कई निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, रविवार सुबह 8.30 बजे तक 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक जलपाईगुड़ी में 159 मिमी बारिश हुई, जबकि पड़ोसी अलीपुरद्वार में 152 मिमी बारिश हुई। आईएमडी ने कहा कि कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में मंगलवार सुबह तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

दिल्ली सरकार 'विकसित भारत, विकसित दिल्ली' दृष्टिकोण की दिशा में काम कर रही : मुख्यमंत्री गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार 'विकसित दिल्ली' के लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। दिल्ली के कालकाजी में जन सुनवाई केंद्र के उद्घाटन समारोह के दौरान गुप्ता ने कहा कि लोगों के कल्याण के लिए निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत, विकसित दिल्ली के सपने को साकार करने का संकल्प लिया है। हमारे मंत्री और विधायक इस लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं। सरकार दिल्ली में प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए काम कर रही है। भाजपा की सांसद बांसुरी स्वराज ने राजधानी में आयुष्मान भारत योजना और वय वंदना योजना जैसी योजनाओं को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री गुप्ता की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी लोगों को न्याय दिलाने के लिए भारतीय न्याय संहिता लाए : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि अंग्रेजों ने भारतीयों को ''दंडित'' करने के लिए भारतीय दंड संहिता की शुरुआत की थी, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोगों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से भारतीय न्याय संहिता लेकर आए हैं।

दिल्ली विधानसभा में 'नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन' (नेवा) के उद्घाटन के अवसर पर मेघवाल ने कहा, मुझे बताया गया है कि दिल्ली में तीन नए आपराधिक कानून पूरी तरह से लागू हो गए हैं। उन्होंने कहा, अंग्रेजों ने भारतीयों को दंडित करने के लिए भारतीय दंड संहिता लागू की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतीयों को न्याय दिलाने के लिए भारतीय न्याय संहिता लेकर आए हैं। 'नेवा' संसदीय कार्य मंत्रालय की एक प्रमुख परियोजना है जिसे पूरे भारत में कागज रहित विधायी वातावरण बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। नेवा के कार्यान्वयन का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि इसे पहले भी लागू करने की चर्चा थी। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि पिछली सरकार ने क्या सोचा था, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया।

नीट-पीजी 301 शहरों में आयोजित, 2,42,000 से अधिक अभ्यर्थी हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में रविवार को 2,42,000 से ज़्यादा अभ्यर्थी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) में शामिल हुए। यह परीक्षा विभिन्न स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा आयोजित की जाती है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि परीक्षा एक ही पाली में 301 शहरों के 1,052 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से यह भारत की सबसे बड़ी कंप्यूटर-आधारित परीक्षा है जो एक ही पाली में आयोजित की गई है। एनबीईएमएस ने अनुचित साधनों के प्रयोग की किसी भी संभावना को समाप्त करने के लिए विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और मान्यता प्राप्त अस्पतालों के 2,200 से अधिक संकाय सदस्यों को नियुक्त किया था।

एनबीईएमएस ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों को पत्र लिखकर सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त कानून-व्यवस्था, साइबर सुरक्षा और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया। इस संबंध में जिला प्रशासन और पुलिस से भी सहायता मांगी गई। परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए एनबीईएमएस ने गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) से सहायता ली।

अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न परीक्षा केंद्रों, विशेषकर संवेदनशील केंद्रों पर किसी भी प्रकार की नकल रोकने के लिए लगभग 300 साइबर कमांडो तैनात किए गए। एनबीईएमएस ने सभी परीक्षा केंद्रों से प्राप्त सीसीटीवी फीड को वास्तविक समय में लगातार देखने के लिए अपने कार्यालय में 200 से अधिक कर्मियों को तैनात किया था। वरिष्ठ संकाय सदस्य, मेडिकल कॉलेजों के डीन-निदेशक और एनबीईएमएस शासी निकाय के सदस्यों ने उड़नदस्ते के रूप में परीक्षा केंद्रों का दौरा किया।

शिवकुमार ने रेवन्ना की उम्रकैद पर भाजपा-जद(एस) नेताओं की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने दुष्कर्म के एक मामले में जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के संबंध में जद (एस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाया। विशेष अदालत ने जद (एस) के संरक्षक एच.डी. देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना (34) को बलात्कार के एक मामले में शनिवार को उसके शेष जीवन के लिए कारावास की सजा सुनाई। नयी दिल्ली में शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा कि जद(एस) नेता और उनके गठबंधन सहयोगी भाजपा ही प्रज्वल रेवन्ना मुद्दे पर टिप्पणी करने में सक्षम हैं, और उन्होंने सवाल किया कि वे क्यों नहीं बोल रहे हैं।

शिवकुमार ने कहा, ''उन्हें टिप्पणी करने दीजिए। जद(एस) के प्रदेश अध्यक्ष (एच डी कुमारस्वामी), राष्ट्रीय अध्यक्ष (एच डी देवेगौड़ा), युवा अध्यक्ष (निखिल कुमारस्वामी), भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष (विजयेंद्र येडीयुरप्पा), विपक्ष के नेता (आर अशोक) और केंद्रीय मंत्रियों, सभी को इस पर टिप्पणी करनी चाहिए। वे टिप्पणी क्यों नहीं कर रहे हैं? इस पर टिप्पणी करना उनका कर्तव्य है।''

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के प्रमुख शिवकुमार ने कहा, ''अगर हम (कांग्रेस) इस मुद्दे पर बोलेंगे तो इसे राजनीति के रूप में देखा जाएगा। हम कानून का सम्मान करते हैं और उसका पालन करते हैं। हम चाहते हैं कि लोगों को न्याय मिले।'' जिस मामले में प्रज्वल को सजा सुनाई गई वह 48 वर्षीय एक महिला से संबंधित है, जो हासन जिले के होलेनरसीपुरा स्थित परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। वर्ष 2021 में उसके साथ कथित तौर पर दो बार हासन फार्महाउस और बेंगलूरु स्थित आवास पर बलात्कार किया गया था, और इस कृत्य को आरोपी ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया था।

बलात्कार मामले में उम्रकैद की सजा के बाद प्रज्वल रेवन्ना को कैदी नंबर दिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बलात्कार के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद जनता दल (एस) के नेता प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में कैदी नंबर दिया गया। जेल अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पूर्व प्रधानमंत्री और जद (एस) के प्रमुख एच.डी. देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना ने शनिवार को अदालत के फैसले के बाद जेल में पहली रात बिताई। खबर है कि वह रो रहा था और काफी व्यथित दिखाई दे रहा था।

जेल के चिकित्सकों ने शनिवार देर रात उसकी स्थिर हालत सुनिश्चित करने के लिए उसके स्वास्थ्य का आकलन किया। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''चिकित्सीय जांच के दौरान वह रो पड़ा और उसने कर्मचारियों के सामने अपनी पीड़ा व्यक्त की।'' प्रज्वल ने कथित तौर पर कर्मचारियों को सूचित किया है कि उसने अपनी सजा को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व सांसद फिलहाल उच्च सुरक्षा वाली कोठरी में बंद है और उसे कड़ी सुरक्षा दी जा रही है।

जेल अधिकारियों के अनुसार, दोषियों के लिए मानक ड्रेस कोड का पालन किया जा रहा है और उसे कैदियों को दी जाने वाली वर्दी पहननी होगी। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह रेवन्ना को आधिकारिक तौर पर कैदी संख्या 15,528 दी गई। प्रज्वल को शनिवार को शेष जीवन तक कारावास में रहने की सजा सुनाई गई और कुल 11.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने निर्देश दिया कि 11.25 लाख रुपये रेवन्ना के परिवार की घरेलू सहायिका व पीड़िता दिए जाएं। यहां की एक अदालत ने प्रज्वल रेवन्ना (34) को यौन शोषण और बलात्कार के चार मामलों में से एक में दोषी ठहराया है। सांसदों/विधायकों की विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने शुक्रवार को रेवन्ना को दोषी ठहराने के बाद शनिवार को फैसला सुनाया।

कांग्रेस ने पुराने पत्र को खोजने के लिए सीईओ से मदद मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में कथित हेरफेर को लेकर पांच अगस्त को कांग्रेस पार्टी के नियोजित विरोध प्रदर्शन से पहले, पूर्व मंत्री एच. नागेश ने कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को पत्र लिखकर उस शिकायत की प्रति मांगी है, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह शिकायत अप्रैल 2023 में प्रस्तुत की गई थी, जिसमें मतदाता सूची में फर्जी प्रविष्टियों का आरोप लगाया गया था। सीईओ कार्यालय ने हालांकि ऐसी कोई शिकायत मिलने से इनकार किया है।

नागेश ने 31 जुलाई को लिखे पत्र में कहा, हमने अप्रैल 2023 में अपने निर्वाचन क्षेत्र 174-महादेवपुरा से संबंधित मतदाता सूची में कथित जाली प्रविष्टियों का विवरण वाली एक सूची प्रस्तुत की थी। यह मुद्दा गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि यह चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता को प्रभावित करता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस के पास प्रस्तुत दस्तावेज की प्रति नहीं है।

उन्होंने कहा, हमने दस्तावेजों की सूची खो दी है। हमारे पास रिकॉर्ड के लिए प्रस्तुत दस्तावेज की प्रति नहीं है। हम आपसे विनम्र अनुरोध करते हैं कि हमारे द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की एक प्रति साझा करें। इसका जवाब देते हुए संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी योगेश्वर एस ने दो अगस्त के पत्र में लिखा: आपके दिनांक 31 जुलाई 2025 के पत्र के संदर्भ में, मुझे आपको यह सूचित करने का निर्देश हुआ है कि इस कार्यालय के पास अप्रैल 2023 के दौरान आपसे प्राप्त ऐसे किसी पत्र का रिकॉर्ड नहीं है, जिसमें 174-महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र से संबंधित मतदाता सूची में कथित जाली प्रविष्टियों के विवरण वाली मतदाता सूची के मुद्दे पर चर्चा हो, जिसे आपने अब अचानक उठाया है।

अधिकारी ने बताया कि चुनाव के दौरान नागेश सहित सभी उम्मीदवारों को मतदाता सूची की प्रमाणित प्रति उपलब्ध करा दी गई थी तथा यह ऑनलाइन भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि नागेश द्वारा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कोई कानूनी उपाय नहीं किया गया है, और कहा, तब से, आपने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 80 के अनुसार 174-महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के संबंध में कोई चुनाव याचिका दायर नहीं की है, न ही जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24 के अनुसार 2023 में प्रकाशित मतदाता सूची में प्रविष्टियों के खिलाफ प्रथम अपीलीय प्राधिकारी या द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष कोई अपील की है।

कांग्रेस पार्टी ने बड़े पैमाने पर चुनावी धोखाधड़ी के खिलाफ सोमवार को बेंगलूरु में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के इस प्रदर्शन में शामिल होने की उम्मीद है।

प्रज्वल रेवन्ना मामले पर भाजपा कभी चुप नहीं रही : केंद्रीय मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को कहा कि बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा पाने वाले जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कभी चुप नहीं रही। भाजपा नेता जोशी ने कहा कि उनकी पार्टी का हमेशा से मानना रहा है कि अपराध करने वाले को सजा मिलनी चाहिए।

जोशी ने संवाददाताओं से कहा, देश में कानून है और जिसने भी गलती की है या अपराध किया है, अदालत ने उसकी जांच की है और फैसला सुनाया है। इसे सभी को स्वीकार करना होगा। जब उनसे कहा गया कि कांग्रेस नेता आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा जद(एस) के साथ गठबंधन के कारण इस मुद्दे पर चुप है, तो उन्होंने कहा, हम कहां चुप रहे और हमें क्यों चुप रहना है? मैं इस पर पहले ही बोल चुका हूं। अगर कोई कुछ गलत करता है तो उसे कार्रवाई का सामना करना पड़ता है।

जोशी ने आरोप लगाया, क्या कांग्रेस में ऐसे लोग नहीं हैं जिन्होंने इस तरह का जघन्य अपराध किया और वे पहले कांग्रेस के साथ थे? वे प्रधानमंत्री के साथ थे। यासीन मलिक तत्कालीन प्रधानमंत्री के साथ था। ऐसे कई लोग हैं। मैं ज्यादा लोगों के नाम नहीं लेना चाहता।

भाजपा और जद(एस) गठबंधन सहयोगी हैं। जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष एच. डी. कुमारस्वामी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में केंद्रीय मंत्री हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पांच अगस्त को बेंगलूरु में प्रस्तावित प्रदर्शन के बारे में जोशी ने हैरानी जताई कि यह प्रदर्शन किस विषय पर है। उन्होंने कहा कि जब भी कांग्रेस चुनाव जीतती है, तो वह कभी शिकायत नहीं करती, लेकिन चुनाव हारने पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) या निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराती है।

बेंगलूरु की येलो लाइन मेट्रो सेवा का 10 को उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता तेजस्वी सूर्या ने रविवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 अगस्त को बेंगलूरु आएंगे और येलो लाइन मेट्रो सेवा का उद्घाटन करेंगे। सूर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री मेट्रो फेज-3 की आधारशिला भी रखेंगे।

सूर्या ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का 10 अगस्त को बेंगलूरु दौरा बेंगलूरु दक्षिण के लिए ऐतिहासिक होगा। सूर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी न केवल लंबे समय से प्रतीक्षित येलो लाइन मेट्रो परिचालन का उद्घाटन करेंगे, बल्कि मेट्रो फेज- 3 की आधारशिला भी रखेंगे। उन्होंने कहा, इन परियोजनाओं से दक्षिण बेंगलूरु में लगभग 25 लाख लोगों को लाभ होगा।

सांसद सूर्या ने कहा कि 10 अगस्त को इसका उद्घाटन होने से येलो लाइन मेट्रो परियोजना 15 अगस्त की समयसीमा में पूरी हो जाएगी। सूर्या ने कहा कि ऐसा इसलिए हो सका क्योंकि मोदी व्यक्तिगत रूप से इस बात पर जोर दे रहे थे कि इसे बिना किसी देरी के जनता के लिए खोल दिया जाना चाहिए। सूर्या ने केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर के पोस्ट का हवाला दिया।

खट्टर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 10 अगस्त 2025 को बेंगलूरु मेट्रो की 19.15 किलोमीटर लंबी येलो लाइन (आरवी रोड से बोम्मासांद्रा तक, जिसमें 16 स्टेशन हैं और जिसकी लागत 5,056.99 करोड़ रुपये है) का उद्घाटन करने और बेंगलूरु फेज-3 के 44.65 किलोमीटर लंबी लाइन (जिसकी लागत 15,611 करोड़ रुपये है) की आधारशिला रखने पर सहमति व्यक्त की है।''

टक्कर

रविवार को बेंगलूरु के केआर सर्कल पर एक बीएमटीसी बस ब्रेक फेल होने के कारण फुटपाथ से टकरा गई।

'धर्मस्थल' में सामूहिक कब्र मामला

दूसरा शिकायतकर्ता एसआईटी के समक्ष पेश हुआ, नए दावे किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के 'धर्मस्थल' नामक क्षेत्र में कथित सामूहिक कब्रों की जांच को लेकर दूसरा शिकायतकर्ता शनिवार को बेलथांगडी में विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश हुआ।

पुलिस ने यह जानकारी दी। एसआईटी अधिकारियों को शिकायत देने के बाद जयंत टी ने मीडिया को बताया कि उन्हें धर्मस्थल' के गांव में कई ''अवैध कब्रों'' की प्रत्यक्ष जानकारी है। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उन्होंने विभिन्न स्थानों पर इन गतिविधियों को खुद देखा है और उनके बयानों से अन्य कब्रों का पता लगाने में मदद मिल सकती है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय पर सामने आया है जब एसआईटी एक अज्ञात व्यक्ति की प्रारंभिक शिकायत के आधार पर नेत्रावती नदी के किनारे कई स्थानों पर व्यवस्थित तरीके से खोदाई कर रही है।

इससे पहले की खोदाई में एक स्थान से कंकाल मिला था, जबकि अन्य स्थानों से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। धर्मस्थल में पिछले दो दशकों में सामूहिक हत्याकांड, दुष्कर्म और शवों को दफनाने के आरोपों के बाद राज्य सरकार ने विशेष जांच दल गठित किया है।

शिकायतकर्ता (एक पूर्व सफाईकर्मी जिसकी पहचान उजागर नहीं की गई है) ने दावा किया है कि उसने 1995 और 2014 के बीच धर्मस्थल में काम किया था और उसे धर्मस्थल में महिलाओं और नाबालिगों समेत कई लोगों के शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था।

एआई व्यवधान अल्पकालिक होंगे, कौशल विकास से नई नौकरियां पैदा होंगी : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के आईटी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने नई दिल्ली में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से पैदा हुए व्यवधान अल्पकालिक होंगे और आगे चलकर नई नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में नए युग की तकनीकों के लिए प्रतिभाओं को तैयार करने हेतु बड़े पैमाने पर कौशल विकास पहल चल रही है।

खरगे ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि कर्नाटक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दूसरों के मुकाबले बढ़त बनाए हुए है, और मजबूत आंकड़े तथा प्रदर्शन संकेतक उसकी स्थिति का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य नवाचार और सहयोग को प्रोत्साहित करता है, और यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी उद्यमी या निगम जो वैश्विक स्तर पर बड़ा नाम बनाने का सपना देखता है, उसकी शुरुआत कर्नाटक से हो।

एआई के कारण पैदा हुए व्यवधानों के मुद्दे पर, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बड़े पैमाने पर कौशल विकास पहलों पर निवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि निपुण कर्नाटक का उद्देश्य अपनी प्रतिभा को भविष्य के लिए सुरक्षा देना है। उन्होंने कहा, ''हालांकि कुछ नौकरियां जा सकती हैं, लेकिन नई नौकरियां पैदा होंगी... और इसीलिए हमें बड़े पैमाने पर फिर से कौशल विकास कार्यक्रम की आवश्यकता है।''

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094196, 4184, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

1.	ई-निविदा सूचना क्र.	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ई-निविदा-43/2021-22 दिनांक 31.07.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ई-निविदा-44/2025-26 दिनांक 31.07.2025
2.	कार्य का नाम	आईडीएसएन, इस्ट्रैक, ब्यालालु गाँव, बेंगलूरु स्थित तकनीकी परिसर भवन के उत्तरी भाग में सुरक्षा ग्रिल घेरा प्रदान करना और आईएनसी भवन के चिलर के लिए (सिविल निर्माण कार्य)।	एससीसी और एमओएक्स परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में अग्निशमन वितरण प्रणाली की मरम्मत (सिविल और पीएच कार्य)।
3.	निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 12.86 लाख	रु. 12.76 लाख
4.	निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
5.	कार्य समापन अवधि	तीन (03) महीने	दो (02) महीने
6.	निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	04.08.2025 को 14.30 बजे से 18.08.2025 को 16.30 बजे तक	
7.	बोली स्पष्टीकरण	04.08.2025 को 15.30 बजे से 19.08.2025 को 16.30 बजे तक	
8.	बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	20.08.2025 को 16.30 बजे तक	
9.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	21.08.2025 को 14.30 बजे तक	
10.	निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	22.08.2025 को 11.30 बजे के बाद से	
11.	ईएमडी	रु. 25,720/-	रु. 25,520/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

सिद्दरामय्या ने मुस्लिम प्रधानाध्यापक को हटाने के लिए स्कूल के पानी में जहर मिलाने की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बेलगावी जिले के हुलिकट्टी गांव के एक सरकारी स्कूल में पीने के पानी में जहर मिलाने की कथित घटना की कड़ी निन्दा की। बताया गया है कि इस कृत्य कथित तौर पर मुस्लिम प्रधानाध्यापक के स्थानांतरण का दबाव बनाने के लिए अंजाम दिया गया। सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इसे धार्मिक घृणा और कट्टरवाद से प्रेरित एक 'जघन्य कृत्य' करार दिया।

सिद्दरामय्या ने एक बयान में कहा, ''बेलगावी जिले के सवादत्ती तालुका के हुलिकट्टी गांव के सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक मुस्लिम समुदाय से हैं। उनका तबादला कहीं और करवाने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से, श्रीराम सेना के तालुका अध्यक्ष सागर पाटिल और दो अन्य लोगों को स्कूली बच्चों के पीने के पानी में ज़हर मिलाने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया है।'' यह घटना लगभग 15 दिन पहले हुई थी, जिसमें कई बच्चे बीमार पड़ गए थे, हालांकि किसी की जान जाने की सूचना नहीं है।

इस कृत्य को सांप्रदायिक सद्भाव के लिए एक गंभीर खतरा बताते हुए, सिद्दरामय्या ने कहा, ''धार्मिक कट्टरवाद और सांप्रदायिक नफरत जघन्य कृत्यों को जन्म दे सकती है और यह घटना इसका प्रमाण है, जिसके परिणामस्वरूप मासूम बच्चों की जान जा सकती थी। शरणों की भूमि में इतनी क्रूरता और नफरत कैसे पैदा हो सकती है? जिनका कहना है कि 'करुणा ही धर्म का मूल है'। मुझे इस समय भी इस पर विश्वास नहीं हो रहा है।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं और दक्षिणपंथी संगठनों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग राजनीतिक लाभ के लिए धर्म के नाम पर नफरत फैलाते हैं, उन्हें आत्मचिंतन करना चाहिए।

सिद्दरामय्या ने सवाल किया, ''क्या प्रमोद मुतालिक (श्रीराम सेना प्रमुख) इस घटना की जिम्मेदारी लेंगे? क्या विजेंद्र येडीयुरप्पा जिम्मेदारी लेंगे? क्या आर अशोक जिम्मेदारी लेंगे? जो नेता हमेशा ऐसे सामाजिक रूप से विनाशकारी कृत्यों का समर्थन करते हैं, उन्हें अब आगे आना चाहिए और अपने पापों का प्रायश्चित करना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि सभी प्रकार की कट्टरता समाज के लिए ख़तरा हैं।

उन्होंने कहा, सभी प्रकार की कट्टरता और कट्टरवाद मानव समाज के लिए ख़तरनाक हैं। नफरत भरे भाषणों और सांप्रदायिक दंगों पर लगाम लगाने के लिए हमने एक विशेष कार्यबल का गठन किया है और हम ऐसे तत्वों के खिलाफ़ हर संभव क़ानूनी कार्रवाई कर रहे हैं।'' उन्होंने जनता के सहयोग की अपील करते हुए कहा, हमारे सभी प्रयासों के फलदायी होने के लिए, जनता को भी ऐसी ताकतों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, उनका विरोध करना चाहिए और शिकायत दर्ज करनी चाहिए। मेरा अब भी मानना है कि सद्भावना से साथ रहने की इच्छा रखने वालों की संख्या सांप्रदायिकतावादियों की संख्या से सौ गुना ज़्यादा है। सिद्दरामय्या ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा, बच्चों के नरसंहार की नापाक साजिश को नाकाम करने वाले पुलिसकर्मियों को बधाई। मुझे पूरा विश्वास है कि न्यायिक व्यवस्था ऐसे जघन्य कृत्य करने वाले दोषियों को उचित सजा देगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना तब सामने आई जब हुलिकट्टी गांव के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में बच्चों की स्कूल परिसर में उपलब्ध कराए गए पानी को पीने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में तबीयत खराब हो गई। प्रारंभिक जांच में पेयजल स्रोत को जानबूझकर दूषित करने का संकेत मिला। पुलिस जांच के बाद एक दक्षिणपंथी समूह के स्थानीय नेता सागर पाटिल सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, इस कृत्य का मकसद कथित तौर पर स्कूल के प्रधानाध्यापक को उनकी धार्मिक पहचान के कारण निशाना बनाना था। ऐसा माना जाता है कि आरोपियों ने ऐसी मनगढ़ंत परिस्थितियां गढ़कर इलाके में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश की, जिससे प्रधानाध्यापक का तबादला हो जाए।

जनकल्याण की योजनाओं को धरातल पर उतारना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेड़ता। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जनकल्याण से जुड़ी सभी योजनाएं धरातल पर उतारना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा है कि अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाएं और कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करें। श्रीमती दीया कुमारी रविवार को मेड़ता सिटी में नागौर जिले के सार्वजनिक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दे रही थी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं प्रत्येक विभागीय कार्य की निगरानी और फॉलोअप करेंगी ताकि आमजन को योजनाओं का पूर्ण लाभ मिले।

उपमुख्यमंत्री ने सभी विभागीय योजनाओं की प्रगति, बजट उपयोग, लंबित कार्यों और जनहित से जुड़ी परियोजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए पूरे किए जाएं। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा करते हुए जिले में चल रहे सड़क निर्माण, मरम्मत कार्यों और भवन निर्माण परियोजनाओं की स्थिति की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सड़कों की गुणवत्ता और कनेक्टिविटी बेहतर होना नागरिक सुविधाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है। अधूरे प्रोजेक्ट्स की रिपोर्ट उन्हें व्यक्तिगत रूप से भेजने के निर्देश दिए गए। पर्यटन विभाग को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि मेड़ता और खरनाल जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले स्थानों पर पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएं। उन्होंने कहा कि मीराबाई और तेजाजी से जुड़े स्थलों को धार्मिक पर्यटन सर्किट में सम्मिलित कर विकास किया जाए, जिससे स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिले। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यप्रणाली, पोषण ट्रैकिंग, महिला सुरक्षा और बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष फोकस किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बालिका एवं महिला सशक्तिकरण की योजनाएं ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू हों और लाभार्थियों तक समय पर पहुंच सुनिश्चित हो।

मेड़ता को मिलेगा धार्मिक पर्यटन का नया आयाम

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में धार्मिक पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दे रही है और मेड़ता सहित सभी ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को राज्य पर्यटन सर्किट में सम्मिलित कर सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। श्रीमती दीया कुमारी ने रविवार को नागौर जिले के मेड़ता शहर में मीराबाई जयंती महोत्सव 2025 को संबोधित कर रही थी।

उन्होंने प्रसिद्ध चतुर्भुजनाथ मंदिर और संत शिरोमणि मीराबाई मंदिर में दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना भी की। उन्होंने समारोह में कहा कि इस क्षेत्र में करीब 1000 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास योजनाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें सड़क निर्माण, शिक्षा व स्वास्थ्य अवसंरचना, पेयजल परियोजनाएं, मंदिरों के सौंदर्यीकरण और अन्य बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस बार जो सड़के बना रही हैं उनमें गुणवत्ता से कोई कंप्रोमाइज नहीं है।

उन्होंने बताया कि मीराबाई मंदिर परिसर में भक्ति आंदोलन पर आधारित म्यूज़ियम एवं संगीत सभागार की डीपीआर तैयार हो चुकी है। इसके निर्माण के उपरांत मीराबाई की संगीत साधना और संत परंपरा को आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का विशेष फोकस स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन पर है। 'राइजिंग राजस्थान' अभियान के अंतर्गत निवेश और उद्यमिता के माध्यम से राजस्थान विकसित होने की तरफ आगे बढ़ रहा है। युवाओं को स्थानीय रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि पलायन की प्रवृत्ति को रोका जा सके। खुद मुख्यमंत्री भी सभी जिलों में जा रहे हैं।उन्होंने घोषणा की कि मेड़ता की सब्जी मंडी की छत का कार्य विधायक निधि से पूर्ण किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा जो भी कार्य उन्हें बताए जाते हैं, उनके समयबद्ध निष्पादन के लिए वे स्वयं अधिकारियों से नियमित फीडबैक लेती हैं। उन्होंने कहा, मेड़ता के विकास के लिए वह हरसंभव प्रयास करती रहेगी। उन्होंने समारोह में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की। उन्होंने मीराबाई की आध्यात्मिक विरासत को सहेजने एवं प्रस्तुत करने के लिए पैनोरमा परियोजना को और भव्य रूप दिया जाएगा। इसमें लाइट एंड साउंड शो को उच्च तकनीकी स्तर पर अपग्रेड किया जाएगा ताकि देश-विदेश से आने वाले पर्यटक मीराबाई के जीवन, दर्शन और भक्ति-गाथा को अनुभव कर सकें। उन्होंने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम के अंत में उपमुख्यमंत्री ने आयोजन समिति, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमजन का धन्यवाद करते हुए कहा भक्ति और किसानों की इस भूमि को समर्पित होकर सेवा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मीराबाई की धरती को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाना हमारा संकल्प है। कार्यक्रम में राज्य मंत्री मंजू बाघमार , किसान आयोग के अध्यक्ष सी आर चौधरी, विधायक लक्ष्मण कलरू, विधायक रेवत राम डांगा, प्रधान संदीप चौधरी आदि मौजूद थे।

तीन करोड़ पैंतीस लाख रुपये की एमडी ड्रग्स बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर के कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक स्कार्पियो गाड़ी से 336.4 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया है और दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने बताया कि शनिवार को मुखबिर से गुप्त सूचना मिली कि जैसलमेर रेलवे स्टेशन के पास दो लोग एक स्कॉर्पियो गाड़ी में अवैध ड्रग्स लेकर जा रहे हैं। इस पर पुलिस दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन के पास नाकाबंदी की और एक स्कार्पियो गाड़ी आती दिखी तो उसे रुकवाने का प्रयास किया। इस पर गाड़ी में बैठे तस्करों ने पुलिस की गाड़ी को टक्कर मारकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस के अन्य दलों ने गाड़ी रुकवाकर उसमें बैठे दो सवारों को पकड़ लिया।

उन्होंने बताया कि गाड़ी की तलाशी ली गयी तो उसमें 336.4 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। इसकी कीमत करीब तीन करोड़ 35 लाख रुपये आंकी गयी है। पुलिस ने तस्कर प्रकाश बिश्नोई (28) और प्रेम प्रकाश (28) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

राजस्थान में अगले हफ्ते भी होती रहेगी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अनेक हिस्सों में अगले हफ्ते भी बारिश होती रहेगी। हालांकि इस दौरान अति भारी बारिश होने का अनुमान नहीं है। मौसम केंद्र (जयपुर) के अनुसार अगले तीन-चार दिन राज्य के उत्तर-पूर्वी भागों में मध्यम से लेकर कहीं-कही तेज बारिश होने की संभावना है। केंद्र का कहना है कि पश्चिमी राजस्थान में अगले पांच-छह दिन केवल छुटपुट स्थानों पर ही हल्की बारिश होने एवं अधिकतर भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में हल्की-मध्यम बारिश हो सकती है।

रविवार सुबह तक चौबीस घंटे के दौरान पूर्वी राजस्थान में एक दो स्थान पर भारी वर्षा दर्ज की गई। माउंट आबू तहसील में सर्वाधिक वर्षा 75.0 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान बीकानेर में 37.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जब भी मुख्यमंत्री भगवान कृष्ण की पूजा करते हैं तो भारी बारिश होती है : मंत्री विश्नोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उद्योग और वाणिज्य राज्य मंत्री के के विश्नोई ने शनिवार को कहा कि जब भी मुख्यमंत्री, भगवान कृष्ण की पूजा करते हैं तो इतनी भारी बारिश होती है कि उन्हें भगवान इंद्र से थोड़ा धीमा रुख करने की प्रार्थना करनी पड़ती है। विश्नोई ने बाड़मेर जिले के बालोतरा इलाके में घरों और खेतों में जलभराव और प्रदूषित पानी के घुसने से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। वहीं, कांग्रेस ने मंत्री की इस टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा है कि मानव निर्मित संकट की जिम्मेदारी देवताओं पर डालना हास्यास्पद है।

बाड़मेर दौरे के दौरान विश्नोई ने कहा, जिस जिले बाड़मेर-बालोतरा की हम चर्चा कर रहे हैं, इंद्र भगवान मेहरबान हैं। जब-जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार आती है और जब-जब हमारे मुख्यमंत्री भरतपुर में कृष्ण भगवान की पूजा करके आते हैं तब-तब यहां पर बारिश इतनी होती है कि फिर से मुख्यमंत्री जी को पलटकर के इंद्र भगवान से प्रार्थना करनी पड़ती है कि आप भगवान थोड़ा सा धीमा रुख करें।' बालोतरा जोजरी नदी से बहने वाले प्रदूषित पानी की समस्या से लगातार जूझ रहा है। जोधपुर और पाली के कारखानों से निकलने वाला औद्योगिक कचरा ले जाने वाली यह नदी मानसून के दौरान उफान पर आ जाती है, जिससे बालोतरा के गांवों में काला और बदबूदार पानी भर जाता है। बाड़मेर के बायतू विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने विश्नोई की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि मानव निर्मित संकट की जिम्मेदारी देवताओं पर डालना हास्यास्पद है। चौधरी ने कहा, मंत्री ने न केवल असली मुद्दे से ध्यान भटकाया है, बल्कि यह भी दर्शाया है कि सरकार इसका समाधान करने में असमर्थ है और केवल भगवान से प्रार्थना ही मदद कर सकती है। यह हास्यास्पद है। चौधरी ने दावा किया कि जोजरी नदी के आस-पास के इलाके जलमग्न हैं और दूषित पानी घरों, खेतों और अन्य इमारतों में घुस जाता है। बारिश के दौरान नदी के उफान पर आने से समस्या और भी बढ़ जाती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वे कई वर्षों से इस समस्या से जूझ रहे हैं और जोधपुर तथा पाली के कारखानों से निकलने वाले प्रदूषणकारी कचरे को नदी में छोड़ने से रोकने के लिए अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। एक स्थानीय निवासी ने कहा, इस स्थिति के कारण प्रभावित गांवों में कई बार विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बाढ़ और स्वास्थ्य संबंधी खतरों के कारण कई परिवार अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। उन्होंने बताया कि जोधपुर से बाड़मेर तक का 100 किलोमीटर का इलाका इससे प्रभावित है।

कांग्रेस के प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने कहा कि जनता ने चुनावों में भाजपा को सत्ता में बिठाया है और सरकार की जिम्मेदारी है कि वह नागरिकों को भगवान भरोसे छोड़ने के बजाय कार्रवाई करे। उन्होंने कहा, ''बालोतरा के लोग जलभराव से परेशान हैं। जब मंत्री से इस बारे में पूछा जाता है तो वह अपना कर्तव्य निभाने या समस्या का समाधान करने के बजाय नागरिकों को भगवान भरोसे छोड़ देते हैं। यह विडंबना ही है कि राजस्थान सरकार लोगों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने की बजाय उन्हें भगवान भरोसे छोड़ने में ज्यादा विश्वास करती है। उन्होंने कहा, ''विधानसभा चुनाव भाजपा ने लड़ा और जीता, न कि भगवान कृष्ण या भगवान इंद्र ने। इसलिए, सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जवाबदेही के साथ काम करे, न कि अपने कर्तव्यों से भागे।

आधुनिक और उन्नत शैक्षणिक ढांचे से विकसित राजस्थान का स्वप्न होगा साकार : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा क्षेत्र लूणी के ग्राम पंचायत लोरड़ी देजगरा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय केरियानाडा में 51.58 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित विद्यालय भवन का विधिवत लोकार्पण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पटेल ने कहा कि यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार गुणवत्तायुक्त शिक्षा और विद्यालयों के अवसंरचनात्मक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने पिछले दो बजट में शैक्षणिक भवनों के लिए 625 करोड़ रुपये स्वीकृत किए है। इसकी वजह से आधुनिक और उन्नत शैक्षणिक ढांचे से विकसित राजस्थान का स्वप्न साकार होगा।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा डबल इंजन की सरकार संपूर्ण राजस्थान में समुचित जलापूर्ति के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा पूर्वी राजस्थान के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, पश्चिमी राजस्थान के लिए जवाई बांध का पुनर्भरण और लिफ्ट कैनाल फेज तृतीय के कार्य प्रगतिरत है। इन परियोजनाओं का काम पूरा होने पर पेयजल, कृषि और उद्योग के लिए आवश्यकता के अनुरूप पानी उपलब्ध होगा। पटेल ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों को उनके गांवों से जोड़कर परंपरागत जल-स्रोतों की संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रवासी राजस्थानियों द्वारा रिचार्ज और जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण में आर्थिक और तकनीकी सहयोग दिया जा रहा है और अगले चार वर्षों में 45 हजार जल संरचनाएं निर्मित की जाएगी।

पटेल ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को संबल देने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं चला रही है। जिसके तहत खरीफ संवत 2080 का लूणी विधानसभा का लंबित आदान-अनुदान का 62 करोड़ 17 लाख रुपये किसानों के बैंक खातों में जमा हो गया है और शेष 6 करोड़ 87 लाख रुपये शीघ्र किसानों के खातों में जमा होंगे।

पटेल ने कहा, बाजरे को पोषक अनाज 'श्रीअन्न' के रूप में शामिल कर इसके उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह न केवल किसानों के लिए बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है।

उन्होंने अधिक से अधिक लोगों अपने आहार में बाजरे को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। संसदीय कार्य मंत्री ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय रोहिल्ला खुर्द में स्वर्गीय पूरारामजी की स्मृति में उनके परिवार द्वारा निर्मित प्रवेश द्वार और जल मंदिर का विधिवत लोकार्पण किया गया। उन्होंने विद्यालय विकास में भामाशाहों की पहल को सभी के लिए प्रेरणादायक बताया।

विदेश यात्रा पर राजस्थान उच्च न्यायालय के 'गलत' आदेश के खिलाफ सॉफ्टवेयर इंजीनियर शीर्ष अदालत पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। शादी का झांसा देकर एक महिला के साथ बलात्कार करने के आरोपी एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने राजस्थान उच्च न्यायालय के इस आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है कि यदि वह नौकरी के लिए विदेश जाना चाहता है तो उसकी पत्नी को देश में मौजूद रहना होगा। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा कि उच्च न्यायालय ने अमेरिका में कार्यरत उसकी पत्नी का पक्ष सुने बिना या अभियोजन प्रक्रिया का हिस्सा बनाये बगैर उसे भारत में रहने का निर्देश दिया है जबकि वह इस आपराधिक मामले का हिस्सा भी नहीं है तथा इस तरह उच्च न्यायालय ने 'प्रक्रियागत शुचिता' का उल्लंघन किया ।

इंजीनियर ने अधिवक्ता अश्विनी दुबे के माध्यम से याचिका दायर की है जिसमें कहा गया है कि उच्च न्यायालय का उक्त निर्देश 'त्रुटिपूर्ण' है और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इस मामले की सुनवाई आठ अगस्त को होगी। दुबे ने तर्क दिया कि यह निर्देश प्रक्रियागत अनियमितता और कानूनी विकृति से ग्रस्त है, क्योंकि इसे प्रभावित व्यक्ति की सुनवाई का अवसर दिए बिना ही पारित कर दिया गया। याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता भारतीय पासपोर्ट धारक और भारतीय नागरिक है और वह किसी अन्य देश का नागरिक नहीं है। वह अमेरिका में महावाणिज्य दूतावास के नियंत्रण में रहेगा और उसके फरार होने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि वह कार्य वीजा पर अपनी आजीविका कमाने के लिए विदेश जाने को इच्छुक है। ऐसे में उसके फरार होने का कोई सवाल ही नहीं है।

उसमें कहा गया है, वह एक निश्चित अवधि के लिए जा रहा है और वह इस न्यायालय के समक्ष एक विशिष्ट शपथ लेता है कि वह निर्देश मिलने पर मुकदमे के लिए उपलब्ध रहेगा, इसलिए मुकदमे में देरी का कोई सवाल ही नहीं है और उसके फरार होने का भी कोई प्रश्न नहीं है।

इंजीनियर पर अजमेर के क्रिश्चियनगंज थाने में बलात्कार का मामला दर्ज है। आरोप है कि उस व्यक्ति ने शिकायतकर्ता से शादी का वादा करके उसके साथ अंतरंग संबंध बनाए।

भाजपा सरकार अल्पसंख्यक समुदाय को समृद्ध करने के लिए कटिबद्ध : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा की शनिवार को प्रदेश मुख्यालय में डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0 कार्यक्रम को लेकर प्रदेश स्तरीय बैठक हुई। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि देश का सर्वांगीण विकास तभी होगा, जब देश का प्रत्येक वर्ग सुखी रहे, समृद्ध रहे और मजबूत रहे। कुछ राजनीतिक दल समाज के कुछ वर्गों के लिए तुष्टीकरण का शब्द इस्तेमाल कर रहे हैं। जबकि इस शब्द का मुस्लिम समाज से कोई लेना देना ही नहीं है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरतंर मुस्लिम युवाओं को आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। हम सभी को नए स्टार्टअप में बढ़चढ़ कर भागीदारी निभानी चाहिए।

भजनलाल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जोधपुर हाउस में किया पौधारोपण

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली के जोधपुर हाउस में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बिल्व का पौधा लगाया। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि बिल्व जैसे पौधे धार्मिक और औषधीय दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में 'एक पेड़ मां के नाम' और 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत इस वर्ष दस करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत अब तक साढ़े सात करोड़ से अधिक पौधरोपण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य में हरियाली तीज के दिन ढाई करोड़ पौधे लगाकर एक रिकॉर्ड बनाया है जो प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधरोपण सिर्फ एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों को हरित भविष्य देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान को और अधिक गति देने का आह्वान किया।

ओटीईटी प्रश्नपत्र लीक मामले में बीएसई उपाध्यक्ष गिरफ्तार

कटक/भाषा। पुलिस ने रविवार को ओडिशा शिक्षक पात्रता परीक्षा (ओटीईटी)-2025 के प्रश्नपत्र लीक में कथित संलिप्तता के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएसई) के उपाध्यक्ष को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बीएसई को 20 जुलाई को विशेष ओटीईटी-2025 आयोजित करनी थी। हालांकि, एक दिन पहले सोशल मीडिया पर उत्तरों के साथ एक हस्तलिखित प्रश्नपत्र वायरल होने के बाद बोर्ड को परीक्षा स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

पुलिस महानिदेशक (अपराध शाखा) विनयतोष मिश्रा ने कहा, जांच के दौरान बीएसई के उपाध्यक्ष निहार मोहंती की स्पष्ट लापरवाही पाई गई। उनका मुख्य आरोपी जीतन मोहराणा के साथ संदिग्ध संबंध पाया गया, जो बीएसई कार्यालय में डेटा एंट्री ऑपरेटर के रूप में काम कर रहा था। उन्होंने बताया कि प्रश्नपत्र लीक मामले में अब तक बीएसई के उपाध्यक्ष और एक डाटा एंट्री ऑपरेटर समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि जीतन मोहराणा ने पहले हस्तलिखित प्रश्नपत्र दो अन्य आरोपियों को दिया और फिर यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मिश्रा ने यहां संवाददाताओं को बताया कि जब अपराध शाखा ने जांच शुरू की कि मोहराणा को प्रश्नपत्र तक पहुंच कैसे मिली, जबकि यह उसके दायरे में नहीं था, तो पता चला कि उपाध्यक्ष प्रश्नपत्र की छपाई के लिए भोपाल स्थित एक एजेंसी के साथ समन्वय कर रहे थे।

प्रोटोकॉल के अनुसार, मोहंती को केवल एक आईडी और पासवर्ड के जरिए प्रश्नपत्र तक पहुंच प्राप्त थी। अधिकारी ने बताया कि मोहंती को प्रश्नपत्र की 'प्रूफरीडिंग' करनी थी, उसमें जरूरी सुधार करने थे और फिर उसे कंप्यूटर से डिलीट करना था। मिश्रा ने कहा, हालांकि, हमें पता चला कि उन्होंने अपने लैपटॉप से प्रश्नपत्र डिलीट नहीं किया था और डेटा एंट्री ऑपरेटर जीतन मोहराणा को इसकी पहुंच दे दी थी, जबकि उसका प्रश्नपत्र से कोई लेना-देना नहीं था।

बंगालियों को बाहरी के रूप में चित्रित करने की कोशिश: तृणमूल कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने बंगालियों का उल्लेख करते हुए 'बांग्लादेशी भाषा' शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर रविवार को दिल्ली पुलिस की आलोचना की और कहा कि यह संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त भाषा की पहचान को छीनने एवं लाखों बांग्ला भाषी भारतीयों को 'बाहरी' के रूप में चित्रित करने का आधिकारिक प्रयास है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में, तृणमूल ने लोधी कॉलोनी थाने के एक निरीक्षक द्वारा नई दिल्ली में बंग भवन के प्रभारी अधिकारी को लिखे गए पत्र की एक प्रति साझा की, जिसमें 'बांग्लादेशी भाषा' के लिए अनुवादक का अनुरोध किया गया है। पत्र में कहा गया है कि जांच के दौरान, आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनके 'बांग्लादेशी नागरिक होने का प्रबल संदेह था और जो बिना किसी वैध पासपोर्ट या वीजा के भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। पत्र में कहा गया है कि 'संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों' के पास से राष्ट्रीय पहचान पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, बैंक खाते के विवरण आदि की प्रतियां मिलीं। निरीक्षक ने दावा किया कि पहचान दस्तावेजों में ''बांग्लादेशी भाषा में लिखे गए पाठ हैं, जिनका हिंदी और अंग्रेजी में अनुवाद किया जाना आवश्यक है। उन्होंने ''बांग्लादेशी राष्ट्रीय भाषा'' में कुशल आधिकारिक अनुवादक/दुभाषिया उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। तृणमूल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, क्या बंगालियों के प्रति भाजपा की नफरत की कोई सीमा नहीं है?

पश्चिम बंगाल के उत्तरी क्षेत्र में भारी बारिश के कारण तीस्ता, जलढाका नदियां उफान पर

कोलकाता/जलपाईगुड़ी (प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तरी क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण तीस्ता और जलढाका सहित नदियां उफान पर हैं, जिससे निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं और सिक्किम तथा कलिम्पोंग से सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने क्षेत्र में बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि राज्य के उप-हिमालयी जिलों में मंगलवार सुबह तक बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। एक अधिकारी ने बताया कि रातभर हुई भारी बारिश के कारण तारखोला में भूस्खलन हुआ, जिससे सिक्किम को सिलीगुड़ी से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पर वाहनों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई। उन्होंने बताया कि छोटे वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा गया है, जबकि भारी वाहनों की आवाजाही को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

जलपाईगुड़ी शहर के बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार, तीस्ता नदी के आसपास के क्षेत्र दोमोहानी और मेखलीगंज तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 31 के पास 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। यहां लगातार बारिश के कारण कई निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, रविवार सुबह 8.30 बजे तक 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक जलपाईगुड़ी में 159 मिमी बारिश हुई, जबकि पड़ोसी अलीपुरद्वार में 152 मिमी बारिश हुई। आईएमडी ने कहा कि कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में मंगलवार सुबह तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

पूर्व में पुलिस भर्ती में भाई-भतीजावाद का सीधा असर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर पड़ा: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विपक्ष की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए दावा किया कि वर्ष 2017 से पहले पुलिस भर्ती में भाई-भतीजावाद होता था और उसका सीधा असर राज्य की कानून-व्यवस्था पर पड़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उप्र पुलिस दूरसंचार विभाग में चयनित 1,494 सहायक परिचालकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान योगी ने चयनित कई अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ''वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में होने वाली भर्तियों में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद हावी था। उस दौरान पैसों के लेन-देन, बोली और भेदभाव ने नौजवानों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया था। उन्होंने कहा, इसका सीधा असर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर पड़ा। इससे दंगे, अराजकता, गुंडागर्दी, आतंकी घटनाएं बढ़ गयीं और जनता में असुरक्षा का माहौल बन गया। घटनायें गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी अयोध्या, काशी और लखनऊ की कचहरी में हमले होते थे तो कभी आतंकी हमले, एक बार सीआरपीएफ कैंप रामपुर को भी निशाना बनाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में 'डबल इंजन' की सरकार बनने पर सबसे पहले भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए बड़े कदम उठाए गए। इसके तहत पुलिस भर्ती बोर्ड का सुदृढ़ीकरण किया गया। उन्होंने दावा किया कि इसी का परिणाम है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक पुलिस की भर्ती और सरकारी नौकरी देने वाले राज्यों में पहले स्थान पर है। योगी ने कहा कि अब तक राज्य सरकार साढ़े आठ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान कर चुकी है, जो पूरे देश में सबसे बड़ा आकड़ा है।

उत्तर प्रदेश के 17 जिले बाढ़ की चपेट में, 400 से ज्यादा गांव प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में 17 जिलों के 400 से ज्यादा गांव इस वक्त बाढ़ से प्रभावित हैं। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने रविवार को बताया कि राज्य के 17 जिलों में 37 तहसीलों के 402 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और उनमें रहने वाले 84 हजार 392 लोगों की जिंदगी पर असर पड़ा है।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और प्रादेशिक सशस्त्र कांस्टेबलरी (पीएसी) के कर्मियों द्वारा निरंतर गश्त के साथ राहत और बचाव कार्य जोरों पर चल रहा है। उन्होंने बताया कि बाढ़ से प्रभावित जिलों में कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट, बलिया, बांदा, गाजीपुर, मिर्जापुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा और फतेहपुर शामिल हैं।

गोस्वामी के मुताबिक बाढ़ से अब तक 343 घरों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 4,015 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि भी प्रभावित हुई है। बाढ़ से परेशान लोगों तक 493 नावों और मोटरबोटों के जरिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रभावित लोगों की मदद के लिए अब तक खाद्य पदार्थों के 76 हजार 632 पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, प्रभावित लोगों को ताजा भोजन उपलब्ध कराने के लिए 29 सामुदायिक रसोइयां (लंगर) स्थापित की गई हैं।

तेजस्वी ने दो मतदाता पहचान पत्र रखकर अपराध किया: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने दो मतदाता पहचान पत्र रखकर अपराध किया है। पार्टी ने कहा कि संवाददाता सम्मेलन में यादव ने जिस मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) का हवाला दिया, वह उनके आधिकारिक मतदाता पहचान पत्र से अलग है।

भाजपा ने विपक्षी दल के नेता पर ऐसे वक्त हमला किया है जब एक दिन पहले आयोग ने उनके (यादव के) इस दावे का खंडन किया था कि बिहार में मसौदा मतदाता सूची से उनका नाम गायब है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में पूछा, कांग्रेस और राजद पूरी तरह बेनकाब हो गए हैं...क्या आपने (यादव) शपथ लेकर झूठ बोला था? क्या आपने निर्वाचन आयोग के सामने गलत तथ्य पेश किए थे?

पात्रा ने कहा कि राजद नेता ने 2020 के चुनावी हलफनामे में जो मतदाता पहचान पत्र प्रस्तुत किया था, वह शनिवार को उनके द्वारा बताए गए उस पहचान पत्र से अलग था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद के बाद तैयार मतदाता सूची से उनका नाम गायब है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके सहयोगी यादव पर निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और अनादर करने तथा भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाया।

भाजपा प्रवक्ता ने पूछा कि अगर यादव जैसे पार्टी नेता के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं तो उनके कार्यकर्ता क्या करेंगे। उन्होंने दावा किया कि इससे पता चलता है कि राजद सदस्यों ने अपनी पार्टी का समर्थन बढ़ाने के लिए दो जगहों पर वोट डाला।

भाजपा ससंद में एसआईआर पर चर्चा कराने से डरी हुई है: डेरेक ओ ब्रायन

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा बिहार में जारी एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) पर चर्चा करने से ''डरी हुई'' है। उन्होंने इस कवायद को ''चुपचाप अदृश्य धांधली'' करार दिया।

ओ ब्रायन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विपक्ष ''डगमगाते मोदी गठबंधन'' को संसदीय प्रक्रिया और इस मुद्दे पर चर्चा करने के तरीके पर ''पाठ'' पढ़ाएगा। तृणमूल नेता ने कहा, एसआईआर (साइलेंट इनविजिबल रिगिंग यानी चुपचाप अदृश्य धांधली) वोट चोरी एक ऐसा विषय है जिस पर दोनों सदनों में आसानी से चर्चा हो सकती है। भाजपा डरी हुई है और व्यवधान डाल रही है। उन्होंने कहा, सोमवार, चार अगस्त से हम अस्थिर मोदी गठबंधन को संसद के नियमों और प्रक्रियाओं का मुफ्त पाठ उपलब्ध कराएंगे ताकि उन्हें सिखाया जा सके कि इस पर कैसे चर्चा की जा सकती है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को पूर्व लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के एक फैसले का हवाला दिया कि संसद निर्वाचन आयोग के कामकाज पर चर्चा नहीं कर सकती। इस मुद्दे पर विपक्ष की बहस की मांग और 'इंडिया' गठबंधन के दलों द्वारा संसद के अंदर और बाहर विरोध प्रदर्शनों के बीच संसद का मानसून सत्र अब तक लगभग हंगामे की स्थिति में रहा है।

अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों और रोहिंग्या के कारण भारतीय नागरिकों की आजीविका छिन रही : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को दावा किया कि अन्य राज्यों में काम कर रहे पश्चिम बंगाल के निवासियों को अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों और कुछ मामलों में रोहिंग्या द्वारा उनकी आजीविका से वंचित किया जा रहा है।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि भारतीय मुसलमानों और बांग्लादेश से उत्पीड़न के कारण देश में आए हिंदुओं को तब तक चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, जब तक भाजपा यहां है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को डर है कि यदि बंगाल में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया गया तो निर्वाचन आयोग फर्जी मतदाताओं की पहचान कर लेगा। भाजपा नेता ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, अन्य राज्यों में काम कर रहे बंगाल के वास्तविक भारतीय नागरिकों की आजीविका अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों और कुछ मामलों में रोहिंग्या द्वारा छीनी जा रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भी अवैध मतदाताओं की पहचान उसी तरह की जाएगी जैसे बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान की गई। उन्होंने कहा, बंगाल में एसआईआर होने के संकेत मात्र से ही इतना डर पैदा हो गया है, तो कल्पना कीजिए कि जब यह कवायद वास्तव में होगी तो क्या होगा।

ओडिशा-झारखंड सीमा पर आईईडी विस्फोट में रेलवेकर्मी की मौत

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा-झारखंड सीमा पर सुंदरगढ़ जिले में रेलवे पटरी पर हुए आईईडी विस्फोट में एक रेलवेकर्मी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान इतुआ ओराम के रूप में हुई है जो भारतीय रेल में 'की मैन' के पद पर कार्यरत था।

पुलिस को आशंका है कि इस विस्फोट के पीछे माओवादियों का हाथ हो सकता है क्योंकि घटनास्थल से माओवादियों के पोस्टर मिले हैं। दक्षिण पूर्व रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि विस्फोट बिमलगढ़ खंड के तहत करमपाड़ा और रेंजडा के बीच स्थित रेलवे पटरी पर हुआ। पटरी को मामूली नुकसान पहुंचा है, लेकिन यह लूप लाइन होने के कारण किसी भी यात्री ट्रेन की आवाजाही प्रभावित नहीं हुई। स्थानीय पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह क्षेत्र सारंडा वन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। माओवादियों ने 28 जुलाई से तीन अगस्त तक 'शहीद सप्ताह' मनाने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा, स्थानीय पुलिस से मंजूरी मिलने के बाद हम मरम्मत कार्य शुरू करेंगे। इस बीच, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने विस्फोट में रेलवेकर्मी की मौत पर शोक व्यक्त किया है और उनके परिजनों को 10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

बिहार में भारी बारिश के बाद नदियां उफान पर

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के कारण कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी संबंधित अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है।

मौसम विभाग द्वारा रविवार को जारी जिलावार नवीनतम बारिश बुलेटिन के अनुसार, दो अगस्त से अब तक पटना, बांका, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, गयाजी, जहानाबाद, कैमूर, कटिहार, खगड़िया, मुंगेर, नालंदा और वैशाली समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। रविवार को राज्य की राजधानी पटना में लगातार बारिश के बाद कई प्रमुख सड़कें और कई निचले इलाके जलमग्न हो गए।

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए पटना, गयाजी, जमुई, औरंगाबाद, खगड़िया, बांका, वैशाली, समस्तीपुर, शेखपुरा, लखीसराय, पूर्वी चंपारण, अरवल, पश्चिमी चंपारण और नवादा समेत कई जिलों के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। राज्य जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) के अधिकारियों ने बताया कि कई जिलों में लगातार बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर हैं। उन्होंने बताया कि जल प्रवाह बढ़ने से कई बांधों में जलस्तर भी बढ़ गया है। अधिकारियों ने कहा कि इसके अलावा नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश होने के कारण भी कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान को छू रही हैं या उससे ऊपर बह रही हैं।

उन्होंने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, भागलपुर और पटना जिलों के कुछ इलाकों में खास तौर से निचले इलाकों के ग्रामीणों को जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। जल संसाधन विभाग की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के कुछ क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश के कारण गंगा, कोसी, सोन, बागमती, गंडक, कमला और अदरवा सहित प्रमुख नदियों के जलस्तर में पिछले कुछ दिनों से वृद्धि जारी है।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान का मैच भावनाओं का मजाक: आदित्य ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने आगामी एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर रविवार को केंद्र पर निशाना साधा और कहा कि पहलगाम हमले के मद्देनजर पड़ोसी देश के साथ खेल में शामिल होना भावनाओं का मजाक है।

इस कदम को एक ब्लॉकबस्टर मैच बताते हुए ठाकरे ने पूछा कि सरकार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को एशिया कप में खेलने से हटने के लिए क्यों नहीं कह रही है। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि पैसा और मनोरंजन आतंकवादी हमलों में जान गंवाने वालों से अधिक महत्वपूर्ण हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद ने शनिवार को घोषणा की कि आगामी एशिया कप के दौरान भारत बनाम पाकिस्तान के दो प्रमुख मैच दुबई में आयोजित किए जाएंगे। एशिया कप नौ सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को दुबई में मुकाबला होगा और संभवतः 21 सितंबर को भी इसी मैदान पर एक और मुकाबला होगा। 29 सितंबर को होने वाला फाइनल भी दुबई में ही होगा।

कल्याण से हिसार और फिर विश्व चैंपियनशिप तक

ढाबा मालिक की बेटी वैष्णवी चयन ट्रायल में छाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

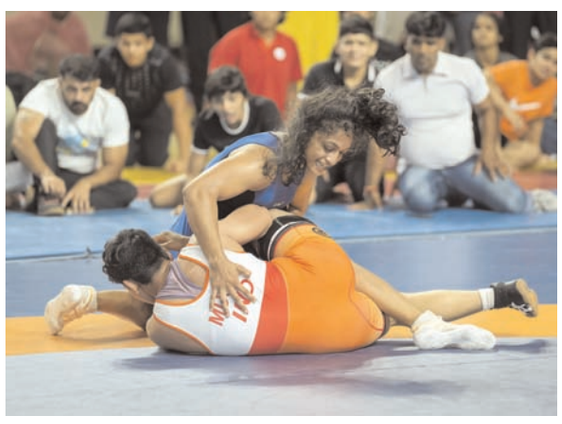

नई दिल्ली/भाषा। आगामी विश्व चैंपियनशिप के चयन ट्रायल में वैष्णवी पाटिल अपनी गति और मैट पर दबदबे के साथ छाई रहीं। उन्होंने अगले महीने जगरेब में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए अपनी प्रतिद्वंद्वियों को एक-एक करके मात दी।

उनकी रणनीतिक कुशलता और मजबूत डिफेंस को देखते हुए यह विश्वास करना मुश्किल है कि उन्होंने केवल चार साल ही मैट कुश्ती में बिताए हैं। मुंबई के कल्याण में एक ढाबा मालिक की बेटी वैष्णवी ने हालांकि काफी देर से शुरुआत की लेकिन वह इससे दोगुनी तेजी से देश में शीर्ष स्तर पर पहुंच गई हैं।

वैष्णवी ने ट्रायल के फाइनल में मुस्कान को 7-2 से हराने के बाद कहा, मैंने 2020 के अंत में मैट कुश्ती शुरू की। उससे पहले मैं सिर्फ मिट्टी की कुश्ती ही करती थी। जब मैंने 2016 रियो में साक्षी मलिक को पदक जीतते देखा तो मैंने तय कर लिया कि मुझे क्या करना है, मैं बस इसी खेल को अपनाना चाहती हूं।

उन्होंने कहा, मेरे पिता एक ढाबा चलाते हैं और मेरी मां गृहिणी हैं। मेरे माता-पिता मेरे लिए सब कुछ संभाल रहे हैं। महाराष्ट्र में ज्यादा अच्छी अकादमियां नहीं थीं तो मैं हिसार आ गई। बाईस साल की वैष्णवी सुशील कुमार अखाड़े में कोच जसबीर के अधीन प्रशिक्षण ले रही हैं।

वैष्णवी 2016 ओलंपिक चैंपियन, टोक्यो (2021) और पेरिस खेलों (2024) की कांस्य पदक विजेता और सात बार की विश्व पदक विजेता अमेरिकी पहलवान हेलेन मारौलिस को अपना आदर्श मानती हैं।

उन्होंने कहा, वह एक बेहतरीन पहलवान है। मैं यूट्यूब पर उनके मुकाबले देखती हूं। मैं अपने और देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मुझे विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का पूरा भरोसा है और अंततः मैं ओलंपिक पदक जीतना चाहती हूं।

यूपी वॉरियर्स में ट्रॉफी जीतने की संस्कृति बनाना चाहता हूं : अभिषेक नायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टीम यूपी वॉरियर्स के मुख्य कोच के रूप में अपनी नई भूमिका को चुनौती से ज्यादा एक मौके के रूप में देखते हैं क्योंकि उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतने वाली संस्कृति का निर्माण करना है।

इस साल की शुरुआत में डब्ल्यूपीएल में निराशाजनक अंतिम स्थान पर रहने के बाद नायर को फ्रेंचाइजी का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। यूपी वॉरियर्स 2024 में चौथे स्थान और 2023 में शुरुआती चरण में तीसरे स्थान पर रही थी। फ्रेंचाइजी द्वारा आयोजित साक्षात्कार में नायर ने पीटीआई को बताया, मैंने हमेशा किसी भी चीज को मौके के रूप में देखा है और यह एक ऐसा अवसर है जिसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, मैं एक ऐसी संस्कृति बनाना चाहता हूं जिसमें इस फ्रेंचाइजी में आने वाला हर खिलाड़ी यह समझे कि यह फ्रेंचाइजी ट्रॉफी जीतने के लिए खेलती है। मैं इस फ्रेंचाइजी और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में इस मानसिकता को लाने की कोशिश करूंगा।

सुविचार

सपना वो नहीं जो आप नींद में देखते हैं, सपना वो है जो आपको नींद नहीं आने देता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे दें बड़बोले ट्रंप को जवाब?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश कि 'अब हम उन वस्तुओं को खरीदेंगे, जिन्हें बनाने में किसी न किसी भारतीय का पसीना बहा है', भारत के करोड़ों लोगों तक पहुंच गया है। इसकी गूंज व्हाइट हाउस तक भी पहुंच गई होगी, जिसमें बैठे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आजकल नए-नए शिगूफे छोड़ रहे हैं। उनका मिज़ाज पुरानी हिंदी फिल्मों के उस खलनायक की तरह है, जो अपनी दौलत और ताकत के घमंड में सब पर नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ और जुर्माने का डर दिखाकर क्या साबित करना चाहते हैं? क्या वे यह मान बैठे हैं कि भारत उनकी हर बात को स्वीकार कर लेगा? उनके द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में की गई टिप्पणी अत्यंत निंदनीय है। ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रंप ने हमारी अर्थव्यवस्था के बजाय पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था का ग्राफ देख लिया था! भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। आश्चर्य की बात है कि भारत के कुछ नेता ट्रंप के सुर में सुर मिला रहे हैं! उन्हें ऐसा गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार नहीं करना चाहिए। जब कोई विदेशी शख्स हमारे देश के बारे में अनर्गल बयानबाजी करे तो उसमें सियासी फायदा नहीं ढूंढ़ना चाहिए। बेहतर तो यह होगा कि हम एकजुट होकर उसे जवाब दें। इस समय हमें यही करने की जरूरत है। ट्रंप को जवाब सिर्फ मौखिक तौर पर नहीं देना चाहिए। हमें अपने कार्यों से जवाब देना होगा। भारतीय अर्थव्यवस्था को इतनी मजबूत बनाएं कि कोई हमें आंखें नहीं दिखा सके। हम अपनी शर्तों पर व्यापार कर सकें। इसके लिए स्वदेशी को बढ़ावा देना होगा।

प्रधानमंत्री ने जिस तरह स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आह्वान किया है, वह वक्त की जरूरत है। यहां बड़ा सवाल गुणवत्ता का भी है। हालांकि उसमें सुधार हो रहा है। अब बाजारों में बेहतर स्वदेशी उत्पाद मिल रहे हैं। हमें अपने युवाओं को इस काबिल बनाना होगा कि वे अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान दें।

प्रधानमंत्री ने जिस तरह स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आह्वान किया है, वह वक्त की जरूरत है। यहां बड़ा सवाल गुणवत्ता का भी है। हालांकि उसमें सुधार हो रहा है। अब बाजारों में बेहतर स्वदेशी उत्पाद मिल रहे हैं। हमें अपने युवाओं को इस काबिल बनाना होगा कि वे अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान दें। इसकी शुरुआत स्कूली शिक्षा से होनी चाहिए। पांचवीं कक्षा के बाद पाठ्यक्रम में उद्योग-धंधों के बारे में जानकारी देनी चाहिए। बच्चों को बदलते वैश्विक परिदृश्य में उद्योगों और अपनी क्षमताओं का ज्ञान होना चाहिए। उन्हें बाजार की जरूरतों, डिजिटल प्रचार, बिक्री आदि के बारे में समझाना चाहिए। उन्हें समय-समय पर खेतों, कारखानों आदि का भ्रमण कराना चाहिए। अब एआई एक बड़ी ताकत बनकर उभर रही है। यह भविष्य में किस तरह उद्योगों को प्रभावित करेगी, इससे कैसे गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकता है, कैसे उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, किस तरह विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जा सकता है - जैसे सवालों के बारे में उचित जानकारी देनी चाहिए। युवाओं के मन से इस विचार को हटाना होगा कि 'पढ़ाई-लिखाई सिर्फ कुर्सी पर बैठकर नौकरी करने के लिए होती है।' आज इतने विकल्प हैं कि प्रशिक्षित युवा अपने क्षेत्रों में बहुत आगे बढ़ सकते हैं। किशोरों और युवाओं को कोरे आंकड़े न रटवाएं। उनके सामने लक्ष्य रखें कि जब देश की आज़ादी के सौ साल पूरे होंगे तो हमारी अर्थव्यवस्था इतनी बड़ी होनी चाहिए। क्या हम इसके लिए तैयार हैं? ट्रंप जिस तरह टैरिफ और जुर्माने की घोषणाएं कर रहे हैं, वह किसी धमकी से कम नहीं है। अगर हमारी सरकारों ने पांच दशक पहले दूरदर्शिता दिखाते हुए देश में औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया होता तो आज अमेरिकी राष्ट्रपति के शब्द कुछ और होते। हमें अब 'वोकल फॉर लोकल' को गंभीरता से अपनाना ही होगा।

ट्वीटर टॉक

जन-जन की श्रद्धा, आस्था और भक्ति का पवित्र केंद्र श्री सालासर बालाजी धाम के 271वें स्थापना दिवस की समस्त भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं । यह दिव्य धाम केवल हमारी आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि संकटों के निवारण और मनोकामनाओं की पूर्ति का परम केंद्र है।

-वसुंधरा राजे

मीराबाई न केवल एक भक्त थीं, बल्कि उन्होंने उस समय की सामाजिक और धार्मिक व्यवस्थाओं को चुनौती देते हुए ईश्वर भक्ति का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने लोकभाषा में कृष्ण भक्ति के पदों की रचना कर जन-जन के हृदय को छू लिया।

-दीया कुमारी

अजमेर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तारागढ़ क्षेत्र से वर्षों पुराने अतिक्रमण हटाए जाने से आमजन में हर्ष व्याप्त है। इन अतिक्रमणों को हटाने के लिए पिछले कई दिनों से हर स्तर पर प्रयास किये जा रहे थे, यह कार्रवाई सफल और शांतिपूर्ण रही।

-वासुदेव देवनानी

प्रेरक प्रसंग

समस्याओं से मजबूती

एक बार किशोर चेखव की माताजी को सिलाई मशीन के अभाव में हाथ से रूमाल तैयार करके ग्राहक को देने पड़े। सारी रात सिलाई करने से उनकी दुखती आंखों का हाल बुरा था। उसी पल चेखव ने अपने एक जूनियर को मेडिकल कालेज की तैयारी में मदद करके आमदनी बढ़ाने का संकल्प कर लिया। इक्कीस साल की आयु में वह एक सशक्त कथाकार और चिकित्सा-विज्ञान में हुनरमंद हो चुके थे। महान कथाकार अंतोनी चेखव के प्रशंसक अक्सर उनसे कुछ जानना और सीखना चाहते थे। वह हमेशा यही सीख देते कि विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश फैलाया जा सकता है। हम बाहर की चुनौतियों से नहीं, बल्कि अपने अंदर की कमजोरी से हारते हैं। हमारी सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नहीं मजबूत बनाने आती हैं।

सामयिक

भारतीय प्राचीन ग्रंथों में शिवलिंग

अशोक प्रवृद्ध

मोबाइल : 7631057837

वेदों में सर्वत्र एकेश्वर वाद की महिमागान, प्रशंसा व स्थापना करते हुए एकमात्र ओ3म निज नाम धारी निराकार ईश्वर की आराधना-उपासना, प्रार्थना- स्तुति की गई है, लेकिन भारतीयों के वैदिक सत्य ज्ञान से दूर होने के कारण कालांतर में बहुदेववाद का प्रचलन होने पर कई देवी-देवताओं की प्रतिमा पूजन के साथ शिव लिंग पूजन का आरम्भ हुआ। शिवलिंग की पूजा का आरंभ अथर्ववेद कांड 10 सूक्त 7 में उल्लिखित मंत्रों से हुआ है, अर्थात लिंग पूजन का संबंध अथर्ववेद 10/7 के सूक्त से जुड़ा हुआ है, जिसके मंत्रों में एक स्तंभ की हुई प्रशंसा, महिमागान की गई है। अथर्ववेद 10/7/13 में एक स्तंभ का उल्लेख करते हुए कहा गया है-

यस्य त्रयस्त्रिंशद देवा अग्डे. सर्वे समाहिताः ।
स्कम्भं तं ब्रूहि कतमः स्विदेव सः ।। -
अथर्ववेद कांड 10/ 7/13

अर्थात- कौन मुझे स्तम्भ के बारे में बता सकता है, जिसके देह में सभी तैंतीस ईश्वर विराजमान हैं?

इसी प्रकार अथर्ववेद कांड 10 सूक्त 7 श्लोक 35 में कहा है-

स्कम्भो दाधार द्यावापृथिवी उभे इमे स्कम्भो दाधारोर्वन्तरिक्षम । स्कम्भो दाधार प्रदिशः षडुर्वीः स्कम्भ इदं विश्वं भुवनमा विवेश ।। -
अथर्ववेद कांड 10/7/35

अर्थात- स्तंभ ने स्वर्ग, धरती और धरती के वातावरण को थाम रखा है। स्तंभ ने 6 दिशाओं को थाम रखा है और यह स्तंभ संपूर्ण ब्रह्मांड में फैला हुआ है।

अथर्ववेद के इस स्तोत्र में अनादि और अनंत स्तंभ का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि वह साक्षात ब्रह्म है। अथर्ववेद में आया यह स्तंभ अथवा स्कंभ ही कालांतर में शिवलिंग के रूप में परिणत हो गया और शिव पूजन का आधार बना। लिंग पुराण में अथर्ववेद के इस स्तोत्र का कथाओं के माध्यम से विस्तृत वर्णन करते हुए स्तंभ एवं भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया गया है। शिव पुराण कोटि रुद्र संहिता अध्याय 12 में भी शिवलिंग की उत्पत्ति का वर्णन अग्नि स्तंभ के रूप में किया गया है, जो अनादि व अनंत है और जो समस्त कारणों का कारण है। लिंगोद्भव कथा में परमेश्वर शिव ने स्वयं को अनादि व अनंत अग्नि स्तंभ के रूप में लाकर भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु को अपना ऊपर का हिस्सा अर्थात भाग व निचला भाग ढूंढने के लिए कहा। लेकिन जब वे दोनों अग्नि स्तंभ का ऊपर का व निचला भाग ढूंढ नहीं सके, तो उनकी श्रेष्ठता साबित हुई। लिंग पुराण में भी शिवलिंग के ब्रह्मांडीय स्तंभ की व्याख्या शिव पुराण के समान ही की गई है। लिंग पुराण के अनुसार शिवलिंग निराकार ब्रह्मांड वाहक है -अंडाकार पत्थर ब्रह्मांड का प्रतीक है और पीठम ब्रह्मांड को पोषण व सहारा देने वाली सर्वोच्च शक्ति है। इसी तरह की व्याख्या स्कन्द पुराण में भी करते हुए कहा गया है -अनंत आकाश अर्थात वह महान शून्य, जिसमें समस्त ब्रह्मांड बसा है, शिवलिंग है और पृथ्वी उसका आधार है। समय के अंत में समस्त ब्रह्मांड और समस्त देवता व ईश्वर शिवलिंग में विलीन हो जाएंगे। महाभारत में द्वापर युग के अंत में भगवान शिव ने अपने भक्तों से कहा कि आने वाले कलियुग में वह किसी विशेष रूप में प्रकट नहीं होगें, परंतु इसके बजाय वह निराकार और सर्वव्यापी रहेंगे। शैव संप्रदाय हिन्दूओं की एक प्रमुख उप-संप्रदाय है और एक समय पर यह भारत उप-महाद्वीप के बाहर कंबोडिया तक सबसे प्रभावशाली हिन्दू संप्रदाय थी। शैव सिद्धांत के अनुसार उपासक को शिवलिंग की स्थापना करनी चाहिए, क्योंकि यह सबसे आदर्श अधःस्तर है।

उपनिषद ग्रंथों में भी शिवलिंग का उल्लेख है-

रुद्रो लिङ्गमुमा पीठं तस्मै तस्यै नमो नमः।
सर्वदेवात्मकं रुद्रं नमस्कुर्यात्पृथक्पृथक ।। -
रुद्रहृदयोपनिषद श्लोक 23

अर्थात- रुद्र अर्थ व उमा शब्द है। दोनों को साष्टांग प्रणाम है। रुद्र शिवलिंग व उमा पीठम है। दोनों को साष्टांग प्रणाम है।

योगकुण्डलिनी उपनिषद 1/81 में शिवलिंग की महिमागान करते हुए कहा गया है-

पिण्डब्रह्माण्डयोरैक्यं लिङ्गसूत्रात्मनोरपि ।
स्वापाव्याकृतयोरैक्यं स्वप्रकाशचिदात्मनोः। । -
योगकुण्डलिनी उपनिषद 1/81

अर्थात- संपूर्ण संसार और सूक्ष्म जगत एक है और उसी प्रकार शिवलिंग और सूत्रात्मन, तत्त्व और रूप, चिदात्मा और आत्म-दीप्तिमान प्रकाश भी एक है।

महानारायण उपनिषद 16/1 में शिवलिंग के बाईस नामों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि नमस्कारों के साथ समाप्त होने वाले इन बाईस नामों से शिवलिंग सभी के लिए पवित्र बनता है। शिवलिंग सोम और सूर्य का प्रतिनिधि है और हाथ में पकड़े पवित्र सूत्रों को दोहराने से सभी शुद्ध होते हैं। नृसिंह तापनीय उपनिषद अध्याय 3 के अनुसार इस प्रकार आनंद अमृत के साथ चार ब्रह्मा अर्थात देवता, गुरु, मंत्र और आत्मा, विष्णु, रुद्र पहले अलग-अलग और फिर प्रसाद के साथ शिवलिंग के रूप में एकजुट पूजे जाते हैं। गोपाल तापनी उपनिषद श्लोक 41 के अनुसार बारह आदित्य, ग्यारह रुद्र, आठ वसु, सात ऋषि, ब्रह्मा, नारद, पांच विनायक, वीरेश्वर, रुद्रेश्वर, अंबिकेश्वर, गणेश्वर, नीलकण्ठेश्वर, विश्वेश्वर, गोपालेश्वर, भद्रेश्वर और 24 अन्य शिवलिंगों का यहां पर बास है। ध्यानबिन्दु उपनिषद श्लोक 45 में कहा गया है कि चेतना जो प्रकृति में होकर भी जो उससे निर्लिप्त नहीं है वह आत्मा या शिव है। वह यह जानने वाला वेदों का ज्ञाता है। अमृतबिन्दु उपनिषद श्लोक 4 के अनुसार मंत्र, लिंग और पाद को छोड़कर, वह स्वाद (उच्चारण) के बिना पाद म के माध्यम से स्वर या व्यंजनों के बिना सूक्ष्म पाद (सीट या शब्द) प्राप्त करता है। तमिल ग्रंथ तिरुमंत्रम में शिवलिंग का उल्लेख अनेकशः हुआ है। तिरुमंत्रम 1823 के अनुसार जीव शिवलिंग है। यह प्रकाश देने वाली रोशनी है न कि इंद्रियों को भ्रमित करने वाली। तिरुमंत्रम 1750 के अनुसार उसका रूप अरचित शिवलिंग और दिव्य सदाशिव है। लिङ्गाष्टकं स्तोत्रम, ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम और मार्ग सहाय लिंग स्तुति में शिवलिंग की प्रशंसा की गई है और इनमें भगवान शिव से शिवलिंग के रूप में आशीर्वाद मांगा गया है। कारण आगम के अनुसार शिवलिंग की पूजा से उत्पन्न हुआ पुण्य त्याग, तपस्या, चढ़ावे व तीर्थ यात्रा से उत्पन्न हुए पुण्य से हजार गुणा अधिक है। शैव आगम के अनुसार कोई भी इस महान परमेश्वर शिव की पूजा मिट्टी, रेत, गाय के गोबर, लकड़ी, पीतल या काले ग्रेनाइट पत्थर से निर्मित शिवलिंग द्वारा सकता है। लेकिन शुद्धतम शिवलिंग स्फटिक से बना होता है, यह पत्थर मनुष्य द्वारा तराशा नहीं जाता है,परंतु प्रकृति द्वारा निर्मित होता है। स्फटिक सैकड़ों, हजारों या लाखों वर्षों में अणुओं के इकट्ठा होने पर बनता है। इसका बनना असीम रूप से धीरे-धीरे विकसित होने वाले जीवित शरीर की तरह है। प्रकृति की इस तरह की सृष्टि स्वयं ही पूजने योग्य चमत्कार है। पौराणिक ग्रंथ स्फटिक को शिवलिंग के लिए उच्चतम प्रदार्थ मानते हैं। शैव सम्प्रदाय के कारण आगम के छठवें श्लोक में कहा गया है कि एक अस्थायी शिवलिंग 12 अलग-अलग सामग्री- रेत, चावल, पकाए भोजन, नदी की मिट्टी, गाय के गोबर, मक्खन, रुद्राक्ष बीज, राख, चंदन, दूब घास, फूलों की माला या शीरा द्वारा बनाया जा सकता है। मानव निर्मित शिवलिंगों में पन्ना शिवलिंग, पारद शिवलिंग, स्फटिक शिवलिंग आदि हैं। अमरनाथ गुफा में शिवलिंग प्राकृतिक शिवलिंग हैं। यह पश्चिमी हिमालय में अमरनाथ नामक गुफा में प्रत्येक शीत ऋतु में गुफा के तल पर पानी टपकने से बर्फ का शिवलिंग सृजित होता है। यह तीर्थयात्रियों में बहुत लोकप्रिय है।

पुराणों में तो शिवलिंग की वृहद रूप से महिमागान की गई है। हरिवंश पुराण के अनुसार कैलाश पर्वत पर श्रीकृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। कतिपय स्थानों पर तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए चित्रित किया गया है।

इससे स्पष्ट है कि शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है, हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन: सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत: यह संपूर्ण सृष्टि विन्दुनाद स्वरूप है। विन्दु शक्ति है और नाद शिव। विन्दु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है। शिवलिंग परम ब्रह्म है तथा संसार की समस्त ऊर्जा का प्रतीक भी है। शिव स्थलों में द्वादश ज्योतिर्लिंग -सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ॐकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर अत्यंत प्रसिद्ध हैं। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेक प्रकार की मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग अर्थात व्यापक ब्रह्मात्मलिंग जिसका अर्थ है व्यापक प्रकाश। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है।

नजरिया

वो नटखट, मधुर, चितचोर ... सबका 'किशोर'

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश का खंडवा शहर मायानगरी किशोर कुमार की खूबसूरत स्मृतियों से भी जुड़ा है। उनका जन्म खंडवा, मध्यप्रदेश में 4 अगस्त 1929 को हुआ था। उनका वास्तविक नाम आभास कुमार गांगुली था। उनके पिता कुंजलाल गांगुली, एक वकील थे और उनकी माँ गौरी देवी एक गृहिणी थीं। किशोर कुमार के चार भाई अशोक कुमार, अनूप कुमार, कुणाल कुमार और रतन कुमार थे। अशोक कुमार भाइयों में सबसे बड़े थे और भारतीय फिल्म उद्योग के एक प्रसिद्ध अभिनेता भी थे। किशोर कुमार ने भारतीय सिनेमा उस स्वर्णिम दौर में संघर्ष शुरु किया था जब उनके भाई अशोक कुमार एक सफल सितारे के रूप में स्थापित हो चुके थे। उस दौर को याद करें तो सिनेमा में दिलीप कुमार, राज कपूर, देव आनंद, बलराज साहनी, गुरुदत्त और रहमान जैसे कलाकारों के साथ ही पार्श्वगायन में मोहम्मद रफी, मुकेश, तलत महमूद और मन्ना डे जैसे दिग्गज गायकों का ही बोलबाला था। किशोर कुमार ने अपने गानों में भावनाओं को इस तरह पिरोया कि श्रोता उनमें खो जाते थे। उनकी आवाज में एक सहजता और जीवंतता थी जो उन्हें समकालीन गायकों से अलग करती थी। उन्होंने आर.डी. बर्मन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, और कल्याणजी-आनंदजी जैसे संगीतकारों के साथ मिलकर कई यादगार गीत दिए।

किशोर कुमार की गायकी का सफर 1940 के दशक में शुरू हुआ। हालाँकि उनके पहले गीत मरने की दुआएँ क्यों माँगू (फिल्म: जिद्दी, 1948) को ज्यादा लोकप्रियता नहीं मिली लेकिन धीरे-धीरे उनकी अनोखी शैली ने लोगों का ध्यान खींचा। उन्होंने विभिन्न शैलियों में गाने गाए जिनमें रोमांटिक, उदास, हास्य, और भक्ति गीत शामिल हैं। किशोर कुमार की शुरुआत एक अभिनेता के रूप में फ़िल्म शिकारी (1946) से हुई। इस फ़िल्म में उनके बड़े भाई अशोक कुमार ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। उन्हें पहली बार गाने का मौका 1948 में बनी फ़िल्म जिद्दी में मिला जिसमें उन्होंने देव आनन्द के लिए खूबसूरत गाना गाया। किशोर कुमार के. एल. सहगल के बड़े प्रशंसक थे इसलिए उन्होंने यह गीत उनकी शैली में ही गाया। जिद्दी की सफलता के बावजूद उन्हें न तो पहचान मिली और न कोई खास काम मिला। उन्होंने 1951 में फणी मजूमदार द्वारा निर्मित फ़िल्म 'आन्दोलन' में हीरो के रूप में काम किया मगर फ़िल्म फ़्लॉप हो गई। 1954 में

उन्होंने बिमल राय की 'नौकरी' में एक बेरोज़गार युवक की संवेदनशील भूमिका निभाकर अपनी प्रभावकारी अभिनय प्रतिभा से भी परिचित किया। इसके बाद 1955 में बनी बाप रे बाप, 1956 में नई दिल्ली, 1957 में मि. मेरी और आशा और 1958 में बनी चलती का नाम गाड़ी जिसमें किशोर कुमार ने अपने दोनों भाईयों अशोक कुमार और अनूप कुमार के साथ काम किया। यह भी मजेदार बात है कि किशोर कुमार की शुरुआत की कई फ़िल्मों में मोहम्मद रफ़ी ने किशोर कुमार के लिए अपनी आवाज दी थी। मोहम्मद रफ़ी ने फ़िल्म 'रागिनी' तथा 'शरारत' में किशोर कुमार को अपनी आवाज उधार दी तो मेहनताना लिया सिर्फ एक रुपया। काम के लिए किशोर कुमार सबसे पहले एस. डी. बर्मन के पास गए थे जिन्होंने पहले भी उन्हें 1950 में बनी फ़िल्म प्यार में गाने का मौका दिया था। एस. डी. बर्मन ने उन्हें फिर बहार फ़िल्म में एक गाना गाने का मौका दिया और यह गाना बहुत हिट हुआ।

शुरू में किशोर कुमार को एस. डी. बर्मन और अन्य संगीतकारों ने अधिक गंभीरता से नहीं लिया और उनसे हल्के स्तर के गीत गवाएं लेकिन किशोर कुमार ने 1957 में बनी फ़िल्म फंटूस में दुखी मन मेरे गीत अपनी ऐसी धाक जमाई कि जाने माने संगीतकारों को किशोर कुमार की प्रतिभा का लोहा एक दिन मानने को मजबूर होना पड़ा। इसके बाद एस.डी.बर्मन ने किशोर कुमार को अपने संगीत निर्देशन में कई गीत गाने का मौका दिया। आर. डी. बर्मन के संगीत निर्देशन में किशोर कुमार ने 'मुनीम जी', 'टैक्सी ड्राइवर', 'फंटूश', 'नौ दो ग्यारह', 'पेइंग गेस्ट', 'गाईड', 'ज्वेल थीफ़', 'प्रेमपुजारी', 'तेरे मेरे सपने' जैसी फ़िल्मों में अपनी जादुई आवाज से फ़िल्मी संगीत के दीवानों को अपना दीवाना बना लिया।

किशोर कुमार ने वर्ष 1940 से वर्ष 1980 के बीच के अपने करियर के दौरान करीब 500 से अधिक गाने गाए। हिन्दी के साथ ही किशोर कुमार ने तमिल, मराठी, असमी, गुजराती, कन्नड़, भोजपुरी, मलयालम और उड़िया फ़िल्मों के लिए भी गीत गाए। किशोर कुमार को उनकी गायकी के लिए आठ फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार मिले। पहला फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार 1969 में अराधना फ़िल्म के गीत रूप तेरा मस्ताना प्यार मेरा दीवाना के लिए दिया गया था। किशोर कुमार की विशेषता यह थी कि उन्होंने देव आनंद से लेकर राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन के लिए अपनी आवाज दी और इन सभी अभिनेताओं पर उनकी आवाज ऐसी रची बसी मानो किशोर कुमार खुद उनके अंदर मौजूद हों। 1975 में आपातकाल के दौरान दिल्ली में एक सांस्कृतिक आयोजन में उन्हें गाने का न्यौता मिला। किशोर कुमार ने पारिश्रमिक मांगा तो आकाशवाणी और दूरदर्शन पर उनके गायन को प्रतिबंधित कर दिया गया। आपातकाल हटने के बाद5 जनवरी 1977 को उनका पहला गाना बजा दुखी मन मेरे सुन मेरा कहना जहां नहीं चैना वहां नहीं रहना।

किशोर कुमार केवल एक गायक ही नहीं, बल्कि एक उत्कृष्ट अभिनेता, संगीतकार और फिल्म निर्माता भी थे। उनकी फिल्में जैसे चलती का नाम गाड़ी (1958), पड़ोसन (1968), और हाफ टिकट (1962) में उनके हास्य और अभिनय की प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ। उनकी कॉमिक टाइमिंग और अनोखा अंदाज दर्शकों को खूब हंसाता था।उन्होंने कई फिल्मों में संगीत निर्देशन भी किया, जैसे जमाना (1957) और दूर का राही (1971)। इसके अलावा, उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी के तहत कई फिल्में बनाईं, जो उनकी रचनात्मकता का प्रतीक थीं। किशोर के गाये गाने संगीत प्रेमियों को झूमने के लिए मजबूर कर देते हैं। किशोर कुमार ने 81 फ़िल्मों में अभिनय किया और 18 फ़िल्मों का निर्देशन भी किया। फ़िल्म 'पड़ोसन' में उन्होंने जिस मस्त मौला आदमी के किरदार को निभाया वही किरदार वे जिंदगी भर अपनी असली जिंदगी में निभाते रहे। किशोर कुमार ने एक गायक के रूप में अपना करियर शुरू किया और जल्द ही भारतीय फिल्म उद्योग में सबसे लोकप्रिय गायकों में एक अलहदा पहचान बनाने में सफल हुए। उनकी मधुर आवाज़ ने उन्हें घर -घर नई पहचान देने का काम किया। गायन के अलावा किशोर कुमार ने अपनी खुद की कई फिल्मों के लिए संगीत भी तैयार किया। उनकी कुछ उल्लेखनीय जीत में फिल्म चलती का नाम गाड़ी (1959) से एक लड़की भीगी भागी सी, फिल्म आराधना (1970) से रूप तेरा मस्ताना और फिल्म सफर (1971) से जिंदगी का सफर है ये कैसा सफर शामिल हैं। किशोर कुमार को कला और संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 1983 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

किशोर कुमार का निजी जीवन उतना ही रंगीन था जितना उनका पेशेवर जीवन। उन्होंने रुमा घोष, मधुबाला, योगिता बाली और लीना चंदावरकर के साथ कुल चार शादियाँ की। उनकी दूसरी पत्नी, मधुबाला के साथ उनकी प्रेम कहानी और उनके निधन ने किशोर को गहरा आघात पहुँचाया। फिर भी वे अपनी सिने और संगीत कला में डूबे रहे और जीवन से कभी हार नहीं मानी। किशोर कुमार को खंडवा से बेपनाह प्यार था। खंडवा तो मानो उनके दिल में बस्ता था। शायद तभी उस दौर में किशोर कुमार खंडवे वाला छोरा तो हिट हो गया था। वह मुंबई से लौटकर वापस खंडवा बसना चाहते थे लेकिन नियति को कुछ और मजबूर था। मात्र 58 साल की आयु में किशोर कुमार का निधन 13 अक्टूबर 1987 को दिल का दौरा पड़ने से हुआ ।

किशोर कुमार भारतीय फिल्म उद्योग में एक अत्यधिक सफल और प्रभावशाली व्यक्ति थे जो पार्श्व गायक के रूप में अपनी अनूठी आवाज और शैली के साथ-साथ अपने अभिनय और निर्देशन कौशल के लिए जाने जाते थे। किशोर कुमार भारतीय सिनेमा में एक सदाबहार गायक के तौर पर आज भी याद किये जाते हैं और उनके गीत लोगों को आज भी झूमने पर मजबूर कर देते हैं। फिल्म उद्योग में किशोर कुमार के योगदान को आज भी दिल से सराहा जाता है। सही मायनों में कहूँ तो किशोर कुमार भारतीय सिनेमा के एक ऐसे सितारे थे जिनकी चमक भारतीय सिनेमा जगत में कभी फीकी नहीं पड़ेगी। उनकी बहुमुखी प्रतिभा, दिलकश आवाज और बेफिक्र अंदाज ने उन्हें अमर बना दिया। वे एक ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने फिल्म- संगीत कला के हर रूप को जिया और उसे अपने अंदाज से नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वितरण

तिरुप्पुर में एमएसएमई मंत्रालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार रविवार को ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक पहल की शुरुआत करने के लिए अपने दौरे के दौरान ग्रामीण सिलाई समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित करते हुए।

विचारधारा से आमदनी तक: कश्मीर में नया सोशल मीडिया खेल

श्रीनगर/भाषा। सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर घाटी में कुछ युवाओं के बीच अलगाववादियों और आतंकवादियों का महिमामंडन करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने के एक नए चलन का खुलासा किया है। इसके पीछे का कारण वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं, बल्कि फॉलोवर बढ़ाने और विज्ञापनदाताओं से धन कमाने की एक सोची-समझी रणनीति है।श्रीनगर पुलिस कट्टरपंथ का मुकाबला करने के लिए सोशल मीडिया साइट पर नजर रखने का हरसंभव प्रयास कर रही है। श्रीनगर पुलिस को इस प्रवृत्ति का पता तब चला जब उसने ऐसे अकाउंट से जुड़े कुछ युवाओं को हिरासत में लिया।

युवकों ने पूछताछ के दौरान, कथित तौर पर स्वीकार किया कि भड़काऊ तस्वीरों -जैसे कि प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन के मारे गए आतंकवादी बुरहान वानी की तस्वीर - का इस्तेमाल फॉलोवर का एक बड़ा आधार हासिल करने के लिए एक सोची-समझी रणनीति थी। युवकों ने बताया कि इससे वे बाद में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर विज्ञापनदाताओं से विज्ञापन हासिल करके उससे पैसे कमाने में सक्षम हो सके।अधिकारियों ने बताया कि बड़ी संख्या में फॉलोअर, विशेषकर सीमापार और विदेशों से, हासिल करने के बाद, अकाउंट संचालक इन तस्वीरों को पहाड़ों या चिनार के पेड़ों जैसी तस्वीरों से बदल देते थे।अधिकारियों ने कहा कि यह उभरती प्रवृत्ति चिंताजनक हो सकती है, क्योंकि यह इस क्षेत्र में राजनीतिक विरोध, उग्र तत्वों और नाम व पैसा कमाने के इच्छुक लोगों के बीच के अंतर को पहचाने में मुश्किल पैदा कर सकती है।

पुलिस जहां अपनी निगरानी बढ़ाने तथा निजी लाभ के लिए संवेदनशील सुरक्षा स्थितियों का फायदा उठाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए कृतसंकल्पित है, वहीं परिवारों को यह समझाने का भी प्रयास किया जा रहा है कि इससे उनके बच्चों के भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए सात बच्चों को उनके माता-पिता के सामने परामर्श प्रदान करके रिहा कर दिया गया।

अधिकारियों का मानना है कि कश्मीर घाटी में भड़काऊ तस्वीरों का इस्तेमाल करने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर के पीछे का मकसद आर्थिक है। डिजिटल दुनिया में, जहां कंटेट से कमाई नया लक्ष्य बन गया है, वहीं लाइक, शेयर और कमाई की होड़ ने चीजों को एक अस्पष्ट दायरे में पहुंचा दिया है।अधिकारियों ने कहा कि इनमें से ज़्यादातर इन्फ्लूएंसर सोशल मीडिया मंच पर ब्रांड साझेदारी पर निर्भर हैं, जहां वे या तो उत्पादों का प्रचार करते हैं या उन्हें अपनी सामग्री में शामिल करते हैं।

'सी बकथॉर्न' और कुट्टू के बीज अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर प्रयोग का हिस्सा बने

नई दिल्ली/भाषा

लद्दाख के ठंडे क्षेत्र में उगाए गए 'सी बकथॉर्न' और कुट्टू के बीज, नासा के क्रू-11 मिशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर किए जाने वाले प्रयोगों का हिस्सा हैं।

पांच महाद्वीपों के 11 देशों से प्राप्त बीज, अमेरिका स्थित जैव अंतरिक्ष विज्ञान फर्म 'जगुआर स्पेस' द्वारा किए जा रहे अध्ययन का हिस्सा हैं, जिसकी योजना बीजों को एक सप्ताह तक सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण स्थितियों में रखने की है।

ये बीज ''अंतरिक्ष के लिए कृषि'' पेलोड का हिस्सा हैं, जो नासा के क्रू-11 के साथ आईएसएस के लिए उड़ान भर चुका है। ये मिशन शुक्रवार को फ्लोरिडा से उड़ान भरकर शनिवार को कक्षीय प्रयोगशाला में पहुंचा था।

ये बीज क्रू-10 द्वारा वापस लाए जाएंगे, जिसके इस महीने के अंत में पृथ्वी पर लौटने की उम्मीद है।

लद्दाख में उगाए गए ये बीज बेंगलूरु स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप 'प्रोटोप्लेनेट' द्वारा प्राप्त किए गए थे।

'प्रोटोप्लेनेट' के निदेशक सिद्धार्थ पांडे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम अध्ययन करेंगे कि ये बीज सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं। साथ ही लंबी अवधि के अंतरिक्ष अभियानों के लिए खाद्य स्रोत के रूप में उनके संभावित उपयोग का अध्ययन करेंगे।

पांडे ने बताया कि प्रोटोप्लेनेट ने 'सी बकथॉर्न' और हिमालयी कुट्टू जैसे पोषक तत्वों से भरपूर पौधे प्रदान किए हैं, जो ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं। हिमालयी कुट्टू एक प्रकार का अनाज है जो पोषक तत्वों से भरपूर और ग्लूटेन-मुक्त होता है।

अंतरिक्ष से लौटने पर, इन बीजों का अध्ययन भारतीय शोधकर्ताओं द्वारा किया जाएगा।

मालदीव, अर्जेंटीना, ब्राजील, कोस्टा रिका, ग्वाटेमाला, नाइजीरिया, आर्मेनिया, मिस्र, पाकिस्तान और नाइजीरिया के बीज इस प्रयोग का हिस्सा हैं।

प्रकृति की बराबरी नहीं कर सकतीं मानव विकसित सर्वोत्तम प्रौद्योगिकियां: डा. सोनकर

नई दिल्ली/भाषा। समुद्री जीवविज्ञानी और पद्मश्री से सम्मानित डा. अजय कुमार सोनकर का कहना है कि मानव द्वारा विकसित सर्वोत्तम प्रौद्योगिकियां भी प्रकृति की बराबरी नहीं कर सकतीं। उनके प्रयोगों से पता चलता है कि वैज्ञानिक रूप से उन्नत, लेकिन नियंत्रित वातावरण में उगाए गए सीपों को, प्राकृतिक वातावरण में उगाए गए सीपों की तुलना में जीवित रहने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। डॉ. सोनकर ने इस शोध के दौरान दो समूहों में समुद्री मोती उत्पादक सीपों को प्रयोगशाला में दो प्रकार के वातावरण में पाल कर यह सिद्ध कर दिखाया कि जब एक समूह को अत्याधुनिक मानव निर्मित तकनीकों से सुसज्जित किया गया और दूसरे को केवल समुद्र की प्राकृतिक गोद का वातावरण दिया गया-तो इसमें जीत प्रकृति की हुई। उन्होंने बताया कि सीपों की दो प्रजातियों: 'पिंकटाडा मार्गेरिटीफेरा' और 'टीरिया पेंग्विन' को अंडमान द्वीपों से लिया गया था। समुद्री जीवविज्ञानी ने मत्स्य पालन पत्रिका 'इन्फोफिश इंटरनेशनल' के मई अंक में प्रकाशित एक लेख में बताया कि एक समूह को नियंत्रित, कृत्रिम वातावरण में - वैज्ञानिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके विकसित किया गया - तथा दूसरे समूह को प्राकृतिक समुद्री वातावरण में पाला गया।

पहले समूह का वातावरण पूरी तरह से नियंत्रित वातावरण था जिसमें सटीक बायोफिल्ट्रेशन, यांत्रिक जल प्रवाह, वालन माध्यम में उगाई गई माइक्रोएल्गी (सीप का भोजन), नियंत्रित क्षारीय तत्वों की उपलब्धता और नियंत्रित तापमान तथा सीमित सूक्ष्मजीव संपर्क जैसे वातावरण को सृजित किया गया।

दूसरे समूह को एक प्रारंभिक सर्जरी के उपरांत देखभाल के बाद, पूरी तरह से प्राकृतिक समुद्री लय के हवाले कर दिया गया। इस टैंक में गहराई से लिया गया अपरिष्कृत समुद्री जल निरंतर प्रवाहित किया गया। न कोई कृत्रिम फ़िल्टर, न कोई रासायनिक पोषण था।

माइकल जैक्सन की बायोपिक अब अप्रैल 2026 में होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स । पॉप किंग माइकल जैक्सन के जीवन पर आधारित बायोपिक माइकल दुनिया भर में 24 अप्रैल, 2026 को रिलीज होगी। पहले यह फिल्म अक्टूबर 2025 में रिलीज होने वाली थी। वेरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट में बताया गया है कि एंटोनी फुक्वा इसका निर्देशन करेंगे, जॉन लोगन पटकथा लेखक होंगे, और जाफर जैक्सन उनके दिवंगत चाचा की भूमिका निभाएंगे। द डिपार्टेड के लिए ऑस्कर विजेता ग्राहम किंग इसके निर्माता हैं। इसमें लिखा है, 'माइकल' इस वैश्विक सुपरस्टार के पॉप किंग के रूप में दुनिया भर में पहचाने जाने के सफर को दर्शाता है, और दुनिया के सबसे प्रभावशाली, अग्रणी कलाकारों में से एक के जीवन और स्थायी विरासत पर एक अंतरंग नज़र डालता है। लायंसगेट इस फिल्म को घरेलू स्तर पर रिलीज कर रहा है, जबकि यूनिवर्सल जापान को छोड़कर बाकी दुनिया में वितरण का काम संभाल रहा है, जिसका प्रबंधन किनो फिल्म्स द्वारा किया जाता है। लायंसगेट के सीईओ जॉन फेल्टहाइमर ने मई में कहा था कि फिल्म की रिलीज संभवतः 2026 में होगी।

हालांकि इसका निर्माण मई 2024 में पूरा हो गया था, लेकिन इस परियोजना की दोबारा शूटिंग हुई। इससे पहले, फिल्म को दो भागों में रिलीज करने पर चर्चा हुई थी। माइकल में कोलमैन डोमिंगो और निया लॉन्ग भी परिवार के मुखिया जो और कैथरीन जैक्सन की भूमिका में हैं। माइल्स टेलर, जैक्सन के वकील और सलाहकार जॉन ब्रैंका की भूमिका निभा रहे हैं। लारेंज टेट, मोटाउन रिकॉर्ड्स के संस्थापक बेरी गोर्डी की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि लॉरा हैरियर संगीत कार्यकारी सुज़ैन डे पासे की भूमिका में हैं और कैट ग्राहम डायना रॉस की भूमिका में दिखाई देंगी।

वेरायटी डॉट कॉम के अनुसार अन्य कलाकारों में जेसिका सुला, माइकल की बड़ी बहन ला टोया जैक्सन की भूमिका में हैं; लिव सिमोन, ग्लेडिस नाइट की भूमिका में; केविन शिनिक, डिक क्लार्क की भूमिका में; केलीन डुरेल जोन्स, जैक्सन के पूर्व सुरक्षाकर्मी से भरोसेमंद दोस्त और विश्वासपात्र बिल ब्रे की भूमिका में हैं; और केंड्रिक सैम्पसन क्रिंसी जोन्स के रूप में, जिनकी माइकल जैक्सन से पहली बार मुलाकात तब हुई जब वह सिर्फ 12 साल के थे। 2009 में, एमजे की लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में 50 वर्ष की आयु में प्रोपोफोल ओवरडोज के कारण मृत्यु हो गई थी। उनके निजी चिकित्सक, कॉनराड मरे ने बताया कि उन्होंने जैक्सन को शहर के होल्म्बी हिल्स क्षेत्र में स्थित अपने नॉर्थ कैरोलवुड ड्राइव स्थित घर के बेडरूम में पाया था, जहां उनकी सांसें नहीं चल रही थीं और उनकी नाड़ी कमज़ोर थी; उन्होंने सीपीआर दिया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ, और सुरक्षाकर्मियों ने 9-1-1 पर कॉल किया था। पैरामेडिक्स ने घटनास्थल पर ही जैक्सन का इलाज किया, लेकिन वेस्टवुड स्थित रोनाल्ड रीगन यूसीएलए मेडिकल सेंटर में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था।

चंकी पांडे ने स्कूल के दोस्तों संग मनाया फ्रेंडशिप डे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता चंकी पांडे दोस्ती को समर्पित खास दिन यानी फ्रेंडशिप डे को खास अंदाज में मनाते नजर आए। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने प्रशंसकों को बताया कि फ्रेंडशिप डे अपने स्कूल के दोस्तों संग खास अंदाज में मनाया। चंकी पांडे ने रविवार को इंस्टाग्राम पर सेंट एंड्रयूज स्कूल के दोस्तों के साथ रीयूनियन की तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में चंकी अपने दोस्तों के साथ हंसी-मजाक और यादगार पलों का लुत्फ उठाते नजर आए। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सेंट एंड्रयूज के दोस्तों संग, 1978 बैच। बिरयानी, शराब और ढेर सारी बातों की रात। इन दोस्तों से प्यार है। रॉबिन के, हमें होस्ट करने के लिए धन्यवाद। कम लोग जानते हैं कि चंकी पांडे का असली नाम सुयश पांडे है। हालांकि, इंडस्ट्री में उन्हें चंकी पांडे के नाम से ही जाना जाता है।

चंकी के पिता शरद पांडे एक प्रसिद्ध हार्ट सर्जन थे, जो भारत में पहला हार्ट ट्रांसप्लांट करने वाले डॉक्टर्स की टीम में शामिल थे। वह ब्लडलेस हार्ट सर्जरी के विशेषज्ञ थे। लेकिन, चंकी ने एक्टिंग को करियर के रूप में चुना और बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई।

वर्कफ्रंट की बात करें तो चंकी पांडे की हालिया रिलीज कॉमेडी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' है। इस कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। फिल्म को जियो स्टूडियोज ने देवगन फिल्म्स, एनआर पचीसिया और प्रवीण तलरेजा के साथ मिलकर बनाया है। 'सन ऑफ सरदार 2' साल 2012 की फिल्म 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल है। अजय देवगन की सीक्वल में सोनाक्षी सिन्हा को मृणाल ठाकुर ने रिप्लेस किया है, वहीं संजय दत्त की जगह रवि किशन ने ली है। फिल्म में चंकी पांडे और अजय देवगन के अलावा, रवि किशन, संजय मिश्रा, मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा, कुब्रा सैत, रोशनी वालिया, दीपक डोबरियाल, विंद् दारा सिंह, शरद सक्सेना, अश्विनी कलसेकर, साहिल मेहता और दिवंगत मुकुल देव भी हैं। यह फिल्म 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

डब्ल्यूयूजी 2025: केआईआईटी विवि के पदक विजेता एथलीटों को सम्मानित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। केआईआईटी और केआईएसएस ने केआईआईटी विश्वविद्यालय के 11 एथलीटों को सम्मानित किया, जिन्होंने जर्मनी के राइन-रूहर में हाल में संपन्न विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) 2025 की विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया और पदक जीते थे। संस्थान ने बताया कि वह भारत का पहला विश्वविद्यालय है, जिसने पिछले 65 वर्षों में डब्ल्यूयूजी में इतने पदक जीते हैं। रजत पदक जीतने वाले हर खिलाड़ी को केआईआईटी और केआईएसएस से 3 लाख रुपए का नकद पुरस्कार मिला, जबकि कांस्य पदक विजेताओं को 1 लाख रुपए दिए गए। ये पुरस्कार ओलंपियनों सहित कई खेल हस्तियों की मौजूदगी में केआईआईटी और केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत द्वारा दिए गए। इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए डॉ. सामंत ने कहा कि विश्व विश्वविद्यालय खेलों में भारतीय दल में सबसे ज्यादा खिलाड़ी केआईआईटी से थे। भारत ने इस स्पर्धा में कुल 12 पदक जीते, जिनमें से 6 केआईआईटी के एथलीटों ने जीते थे। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केआईआईटी-केआईएसएस और ओडिशा के लिए गर्व की बात है। केआईआईटी के तीन विद्यार्थियों- अंकिता ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज़, प्रवीण चित्रवाल ने ट्रिपल जंप तथा सीमान ने 5,000 मीटर फ़ाइनल में रजत पदक जीते। इसके अलावा, पुरुषों की 4100 मीटर रिले टीम, महिलाओं की 20 किमी रेस वॉक टीम और बैडमिंटन में अविनाश मोहंती ने कांस्य पदक हासिल किए।

केआईआईटी विश्वविद्यालय ने विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी खेल उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया। पुरुषों की 4100 मीटर रिले में सहकांत होबलीधर, अनिमेष कुजूर, लालू प्रसाद भोई और मत्यम जयराम दंडपति ने कांस्य पदक जीते। महिलाओं की 20 किमी रेस वॉक टीम स्पर्धा में मुनितप राजपथी, मानसी नेगी और सेजल अनिल सिंह ने कांस्य पदक जीता। अविनाश मोहंती ने बैडमिंटन में कांस्य पदक जीतकर केआईआईटी के कुल पदकों की संख्या छह कर दी। इस समारोह में केआईआईटी-डीयू के कुलपति प्रो. शरणजीत सिंह, रजिस्ट्रार प्रो. जेआर मोहंती और खेल एवं योग विज्ञान स्कूल के डायरेक्टर जनरल डॉ. गगनेंदु दास भी मौजूद थे। ओलंपियन दुतीचंद, सरबानी नंदा, अमिया मलिक, श्रद्धांजलि सामंत्रे और भवानी देवी ने शिरकत की।

'सैम बहादुर' को तीन सम्मान मिलने पर फातिमा सना शेख

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जो अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं, 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में अपनी फिल्म 'सैम बहादुर' को मिली सफलता से बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म ने तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं - राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ मेकअप और सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन। इस बड़ी उपलब्धि पर फातिमा ने पूरी टीम को बधाई दी और इस यादगार सफर का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। फातिमा ने एक भावुक

बयान में कहा, 'सैम बहादुर' की टीम को तीन शानदार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर ढेरों बधाई!! यह वास्तव में मेरे लिए एक गर्व का क्षण है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर और श्रीमती इंदिरा गांधी का किरदार निभाकर मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने फिल्म की निर्देशक मेघना गुलज़ार की भी सराहना करते हुए कहा, मेघना गुलज़ार के साथ काम करना एक सपना सच होने जैसा था, और यह मेरे लिए एक बेहद खास अनुभव रहा। मेघना गुलज़ार द्वारा निर्देशित 'सैम बहादुर' भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है। फातिमा ने इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी। उनके सशक्त और विश्वसनीय अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिली थी, जिसने एक बार फिर उनकी अभिनय क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया।

फ्रेंडशिप डे: सुख हो या दुख, कभी नहीं छोड़ा एक-दूजे का साथ, रियल लाइफ में 'बेस्ट फ्रेंड' हैं ये अभिनेत्रियां

मुंबई/एजेन्सी

दोस्ती वो खूबसूरत रिश्ता है, जो बिना शर्तों के दिलों को जोड़ता है। फ्रेंडशिप डे के मौके पर बॉलीवुड की चमकती दुनिया में कुछ ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिनकी रियल लाइफ दोस्ती एक मिसाल है। चाहे वो वेकेशन पर साथ जाना हो, एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होना हो या सोशल मीडिया पर मस्ती भरे पल साझा करना हो, इन अभिनेत्रियों ने जता दिया कि दोस्ती वाकई कमाल का रिश्ता है! इस लिस्ट में दिशा पटानी-मौनी रॉय, करीना कपूर खान-करिश्मा और मलाइका-अमृता अरोड़ा, सुहाना खान, अनन्या पांडे और शनाया कपूर, सुजैन खान और सोनाली बेंद्रे, हुमा कुरैशी और सोनाक्षी सिन्हा के साथ ही नेहा धूपिया और सोहा अली खान का भी नाम शामिल है। बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन्स का नाम लें तो उसमें दिशा पटानी और मौनी रॉय का नाम जरूर आएगा। मगर बात केवल एक्टिंग और फिटनेस की नहीं है, उनकी दोस्ती ग्लैमर और फिटनेस का परफेक्ट मिश्रण है। एक इंटरव्यू में मौनी ने बताया था कि दिशा दिल की बहुत ही अच्छी इंसान हैं और वे

'सोल सिस्टर्स' की तरह हैं। दोनों अक्सर वेकेशन पर एक साथ नजर आती हैं, जहां उनकी मस्ती और बॉन्डिंग फैंस को खूब पसंद आती है। जिम में पसीना बहाने से लेकर बीच पर मस्ती तक, इनकी दोस्ती हर पल को खास बनाती है। दिशा और मौनी सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए प्यार भरे मैसेज भी शेयर करती हैं।

अरोड़ा और कपूर सिस्टर्स अक्सर एक-दूजे के साथ खड़ी रहती हैं। करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा की दोस्ती बॉलीवुड की सबसे आइकॉनिक दोस्ती में से एक है। ये गर्ल गैंग हर पार्टी और वेकेशन में धूम मचाती है। योग सेशन्स से लेकर ग्लैमरस नाइट्स तक, ये एक-दूसरे के हर सुख-दुख में साथ नजर आती हैं। करिश्मा के पूर्व पति का निधन हो, मलाइका के पिता का निधन हो या करीना के पति सैफ पर चाकू से हमला हो, ये हमेशा एक-दूजे के सुख-दुख में साथ खड़ी दिखीं। सुहाना खान, अनन्या पांडे, और शनाया कपूर नई पीढ़ी की स्टार्स हैं। ये तीनों अक्सर एक साथ आउटिंग और पार्टियों में स्पॉट होती हैं। सोशल मीडिया पर इनके फोटोज और मस्ती भरे वीडियोज फैंस को खूब पसंद आते हैं। ये दोस्ती न सिर्फ ग्लैमरस है, बल्कि एक-दूसरे के करियर को सपोर्ट करने की मिसाल भी है। तीनों अक्सर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी बेस्टी का समर्थन करती नजर आती हैं। तीनों बचपन की दोस्त हैं।

हुमा कुरैशी और सोनाक्षी सिन्हा की दोस्ती साल 2017 से शुरू हुई और आज ये बॉलीवुड की सबसे मजबूत दोस्ती में से एक है। सोनाक्षी की शादी में हुमा का हर फंक्शन में सक्रिय रहना उनकी गहरी दोस्ती का सबूत है। दोनों की केमिस्ट्री ऑन और ऑफ-स्क्रीन भी अक्सर देखने को मिलती है। सोनाक्षी सिन्हा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि पहली मुलाकात में हुमा उन्हें बहुत चेप लगी थीं। वह बहुत बात कर रही थीं। हालांकि, धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती का रंग गाढ़ा होता गया।

सुजैन खान, सोनाली बेंद्रे और गायत्री ओबेरॉय के बीच भी दोस्ती का बेहद खूबसूरत रिश्ता है। सुजैन और सोनाली अक्सर साथ में इवेंट्स में नजर आती हैं, जहां उनकी बॉन्डिंग साफ झलकती है। कैंसर से जंग लड़ने वाली सोनाली की हेल्थ जर्नी में सुजैन और गायत्री का साथ इस दोस्ती की गहराई को दिखाता है। सुजैन और गायत्री, सोनाली से मिलने के लिए अक्सर न्यूयॉर्क जाया करती थीं, जहां वे उनका हिम्मत बढ़ाती थीं। एक भावुक पोस्ट में सोनाली ने दोनों को दोस्ती का सही अर्थ बताने के लिए आभार भी जताया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 04-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने रविवार को युवा दिवस के रूप में मनाए गए विशेष कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा समाज एवं राष्ट्र की रीढ़ है।

संप्रदायों की बातों से समाज कमज़ोर हो रहा कमजोर : आचार्य विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। रविवार को स्थानीय जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में चल रहे चौथे जागरण सेमिनार को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने समाजोपयोगी अनेक ज्वलंत विषयों की तलस्पर्शी चर्चा की। आचार्यश्री ने कहा कि हजारों साधु-संतों और लाखों पढ़े-लिखे सफल लोगों की उपस्थिति के बावजूद विघटनकारी शक्तियां समाज का सर्वनाश कर रही है और शालीन समाज बिखरकर कुरीतियों की गर्त में उतरता जा रहा है। प्रतिदिन समाज में नाना प्रकार की दुर्घटनाएं घटती जा रही हैं। समस्याओं के रोने सभी रोते हैं, पर उनके ठोस उपाय तलाशकर उन्हें लागू नहीं किया जा रहा। इसका यही अर्थ हैं कि साधु-संतों और समाज के वरिष्ठ लोगों की मानसिकता विभक्त हैं। या तो उनके पास सही दृष्टिकोण नहीं है अथवा वे समस्याओं से बेपरवाह हैं। सभी को यह याद रखना चाहिए कि व्यक्तिगत बुद्धि, शक्ति, संपत्ति और सफलताएं महत्वपूर्ण नहीं होती, वे जब समाज के हित में काम में आती हैं तो सार्थक बनती हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि समाज को बिखरने से बचाने और सुदृढ बनाने के लिये उसे आपसी सद्भाव, सामंजस्य और संगठन की बातें ही सिखाई जानी चाहिए। अब विघटन और वैमनस्य की बातें सिखाकर समाज का कल्याण नहीं हो सकता। ऐसी बातों से सभी पंथ-संप्रदायों का अहित ही होगा। साधु-संतों और समाज के पदाधिकारियों को अपने भ्रम मिटाने की जरूरत है। नायक होने के नाते वे समाज को जो शिक्षा देते हैं, समाज उसी रास्ते पर गति करता है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि लाभार्थियों ने दीप प्रज्वलन कर सेमिनार का शुभारंभ किया। समारोह में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह के लाभार्थी तुलसीबाई छोगमल गादिया परिवार का संघ की ओर से सम्मान किया गया। सचिव हरीश गादिया ने बताया कि यहां प्रारंभ हुए सामूहिक तपोत्सव में सैकड़ों साधकों ने रविवार को आठ उपवास की साधना के संकल्प लिये। गणि पद्मविमलसागरजी ने सभी को प्रतिज्ञा देकर उनके लिए स्तोत्र व मंत्रपाठ किए। संघ के कोषाध्यक्ष निर्मल पारेख ने जानकारी दी कि रविवार को गुर्जर बस्ती स्थित कच्छी दशा ओसवाल समाज के एक सौ दस वर्ष प्राचीन चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय का ध्वजारोहण गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में हर्ष-उल्लास और विधि-विधान पूर्वक संपन्न हुआ। इसके लिए अठारह अभिषेक के पश्चात सत्तरभेदी पूजा रचाई गई।

'रिश्तों की सुदृढ़ता के लिए अच्छा दिल और अच्छा स्वभाव होना चाहिए'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा 'संभाले रिश्तों की डोर' कार्यशाला में 'जीवन को उत्सव बनाएं' कार्यक्रम का आयोजन साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में किया गया। अध्यक्ष मंजू बोथरा ने सबका स्वागत किया। मंत्री वंदना भंसाली ने जानकारी दी। साध्वी पुण्ययशाजी ने कहा कि रिश्तों से हम नहीं, अपितु रिश्ते हम से बनते हैं। दूसरों की बातों में आकर अपने रिश्ते को खराब नहीं करना चाहिए क्योंकि रिश्ते अपने होते हैं, दूसरों के नहीं। रिश्तों की सुदृढ़ता के लिए अच्छा दिल और अच्छा स्वभाव होना चाहिए। अच्छे दिल से रिश्ते बनते है और अच्छे स्वभाव से रिश्ते जीवन भर टिकते हैं, दृढ़ होते हैं। परिवार मर्यादा से बनते है,कर्तव्यों के पालन से निखरते हैं और व्यवस्था अनुशासन से विकसित होते हैं। साध्वीश्री ने सहिष्णुता, प्रेम और सौहार्द की वृद्धि के लिए ज्योति केन्द्र प्रेक्षा ध्यान का प्रयोग तथा शशांकासन से इमोशन पर कंट्रोल करने की सलाह दी। साध्वी विनीतयशाजी ने कहा कि ट्रस्ट, टाइम, टॉकिंग और थैंक्स से रिश्तों को मधुर और उत्सवमय बनाया जा सकता है। साध्वी बोधिप्रभाजी ने गीत की प्रस्तुति दी। कार्यशाला का संचालन संयोजिका अमिता छाजेड़ ने किया। सहमंत्री आशा लोढ़ा ने धन्यवाद दिया।

तेरापंथ युवक परिषद की पहली संगठन यात्रा का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । तेरापंथ युवक परिषद की सत्र 2025-26 की पहली संगठन यात्रा का आयोजन रविवार को लालबाग में आयोजित हुई जिसमें चामराजपेट, वीवी पुरम, जयनगर एवं आसपास के क्षेत्रों से युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत करते हुए संगठन से जुड़ने के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगामी दक्षिणांचल सम्मेलन, सरगम सेमीफाइनल एवं मेगा बल्ड डोनेशन ड्राइव के आयोजन की जानकारी दी।

अभातेयुप के रोहित कोठारी ने परिषद के विविध आयामों की जानकारी दी। सहमंत्री प्रणॉय पोकरणा एवं जितेंद्र कोचर ने भी संगठन से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। विहार सेवा के संयोजक भरत रायसोनी ने सेवा क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष विनोद कोठारी, ऋषभ सेठिया, सहमंत्री प्रदीप चोपड़ा, संगठन मंत्री मोहित डूंगरवाल एवं युवा साथियों की उपस्थिति थी। कार्यक्रम का संचालन तेयुप के मंत्री प्रदीप चोपड़ा ने किया।

समाज एवं राष्ट्र की रीढ़ होते हैं युवा: संत वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने रविवार को युवा दिवस के रूप में मनाए गए विशेष कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा समाज एवं राष्ट्र की रीढ़ है। उन्होंने सभी युवाओं को आव्हान करते हुए कहा कि उन्हें अपनी शक्ति ऊर्जा को समाज एवं राष्ट्र के हित में लगाना चाहिए तभी समाज और देश सभी क्षेत्रों में और अधिक विकास एवं प्रगति कर सकता है। संतश्री ने कहा कि हमारे देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी वर्ष 2045 तक भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने के लिए सभी देशवासियों और विशेष रूप से युवा शक्ति को इसके लिए आगे आने और अपनी श्रम शक्ति को इस और लगाने और विशेष पुरुषार्थ करने की बात कही है। मुनि श्री ने कहा कि अगर आपके पास शक्ति ऊर्जा, सामर्थ्य है तो उसे अपने समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने में लगाना चाहिए एवं दूसरों के एवं अपने समाज के जरूरतमंद परिवारों, सधर्मी सेवा में, उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार प्रदान करने में तन मन धन से सहयोग करना चाहिए, तभी अपना समाज भी आगे बढ़कर अपना खुशहाल जीवन जी सकते हैं और सभी क्षेत्रों में प्रगति करते हुए वो भी अपने को गौरवान्वित महसूस कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि समाज के समक्ष वर्ग को इस और विशेष ध्यान देने की जरूरत है। दूसरों की सहायता करने वाला ही सच्चे अर्थों में अपने को धनवान और भामाशाह कहलाने का अधिकारी बन सकता है। प्रारंभ में संतश्री रूपेश मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

मन की शांति और आत्मा का समाधान सामायिक ही है : साध्वी दिव्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि जिस तरह बारिश से बचाव छाता के द्वारा हो सकता है, धूल, धूप और हवा से बचाव छत से हो सकता है, उसी तरह चौदह राजु लोक में निरंतर कषाय की अवृत्त की बारिश हो रही है। किंतु कषाय की, अवृत्तरूपी को बचाने वाला मार्केट में ऐसा कोई साधन सोल्युशन नहीं है, जो कषाय को उपशांत कर सके, उलझने में उलझे हुए मनुष्य को सुलझाने वाली सिर्फ एक सामायिक ही है। सामायिक के साधना में विशेष रूप से सावध पापों का त्याग होता है। जैनकुल में जन्म लेकर जो श्रावक सामायिक व्रत की आराधना नहीं करता है, वह पाप है, परन्तु जो व्यक्ति सामायिक करने वाले को प्रोत्साहन नहीं देता है, अनुमोदना भी नहीं करता है और विपरित कहता है कि जो निठले लोग है, जिन्हें काम, धाम नहीं है, वे ही सामयिक करते है।

महावीर कहते है कि मन की शांति और आत्मा का समाधान सामायिक ही है । महापुरुष की हमें यही शिक्षा है कि हर क्षण समता भाव में बिताए। रविवार को जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक के पूर्व युवा अध्यक्ष विकास कोठारी एवं पूर्व युवा महामंत्री मनोज बोहरा आदिपस्थित थे। प्रवचन पश्चात प्रश्नमंच का आयोजन किया गया जिसमें कई महिला एवं पुरुष हर्षोल्लास से सम्मिलित हुए। आनंद ग्रुप महिला टीम प्रश्नमंच की विजेता रही। संचालन संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने किया।

ज्ञानशाला के 300 ज्ञानार्थी बच्चे संघ यात्रा में गुरु दर्शनार्थ अहमदाबाद जाएंगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आचार्य श्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में इस वर्ष गांधीनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मास हेतु विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी की प्रेरणा से तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा अहमदाबाद में विराजित आचार्यश्री महाश्रमण जी के गुरु दर्शनार्थ जा रहे संघ का बैनर अनावरण कार्यक्रम किया गया। ज्ञानशाला-ज्ञानार्थी संघ के लाभार्थी कुलदीप दीपक कात्रेला ने तेरापंथ सभा गांधीनगर के पदाधिकारियों के साथ मिलकर बैनर का अनावरण किया। इस अवसर पर मुनि श्री पुलकित कुमार जी ने कहा गुरु दर्शनार्थ 300 बच्चों को ले जाना संस्कार संवर्धन की दृष्टि से उत्तम कार्य है। ज्ञानशाला के बच्चों में इस संघ में जाने हेतु विशेष उत्साह नजर आ रहा है। प्रायोजक परिवार से दीपक कात्रेला ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि ज्ञानशाला ज्ञानर्थियों का संघ ले जाने हेतु समाज के कार्यकर्ताओं ने मेरे पर विश्वास किया और यह अवसर हमें प्रदान किया। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने बताया यह संघ बेंगलूरु से 29 सितंबर को मुनिश्री का मंगल पाठ लेकर रवाना होगा और 30 को अहमदाबाद पहुंचेगा, जहां 3 दिन गुरुदेव की सेवा का ज्ञानार्थी बच्चों को अवसर मिलेगा। पुनः 3 तारीख को यह संघ वापस आएगा। सभाके अध्यक्ष पारसमल भंसाली व अन्य सदस्यों ने संघ प्रायोजक परिवार का सम्मान किया गया ।

सादगी, शांति और सौम्यता के त्रिवेणी संगम थे आचार्यश्री शुभचंद्र : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने आचार्य श्री शुभचंद्रजी की 86 वीं जयंती पर गुणानुवाद करते हुए कहा कि आचार्य शुभचंद्र जी सादगी, शांति और सौम्यता के त्रिवेणी संगम थे। अभिमान से कोसों दूर वे वात्सल्य की सजीव मूर्ति थे। नमस्कार मंत्र के तीसरे पद पर सुशोभित वे भक्तों के लिए भगवान थे। वे आचार्य होते हुए भी शिष्य बन कर जिए और नाम के अनुरुप शुभ भावों में रमण करते रहे। साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि आचार्य शुभचन्द्रजी जयगच्छ के 11वें पट्टधर थे जिन्होंने अनेक प्रांतों में भ्रमण किया था और 58 वर्ष पूर्व अलसूर में भी चातुर्मास किया था। वे जाति और कूल संपन्न संत थे जो मेघ समान सभी पर समान अनुकंपा बरसाते थे। ब्रह्मा, विष्णु और शिव के समान सभी के प्रिय थे। निपुणप्रभा जी ने कहा कि विनयमूर्ति आचार्य शुभ ने स्वयं अपने जीवन काल में ही आचार्य पद त्याग कर अनुकरणीय आदर्श पेश करते हुए अपने शिष्य पार्श्वचन्द्रजी को आचार्य पद दे दिया था। ऋद्धिप्रभाजी ने इस अवसर पर गीतिका प्रस्तुत की। अलसूर संघ की ओर से गुणानुवाद करते हुए संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आचार्य शुभचंद्र जी को आत्मीयता से भरपूर आत्मार्थी आचार्य बताया। बालिका मंडल, श्राविका मंडल ने अपने भाव व्यक्त किए। अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

दान अपनी मन की संतुष्टि के लिए होना चाहिए : आचार्य प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिन स्वजनों के लिए स्वजन प्रेम व मोह से प्रेरित होकर जीव पाप करता है अथवा अपने स्वार्थ से स्वजनों के साथ राग-द्वेष करता है, वे स्वजन-पत्नी, पुत्र, भाई, बहन और मित्र वगैरह जीव की मृत्यु के बाद परलोक में साथ नहीं चलते। जिन स्वजनों के कारण जीव पाप करता है, दुष्कर्म करता है, वे स्वजन जब पापों के फल जीव को भोगने पड़ते हैं, तब दुःख बांटते नहीं हैं। यह बात अच्छी तरह समझनी चाहिए। मृत्यु के बाद सारे रिश्ते समाप्त हो जाते हैं। स्वजन और परिजनों का स्नेह-संबंध, आदान-प्रदान वगैरह तब तक रहता है, जब तक मृत्यु नहीं आती। शुभ कर्म ही परलोक में साथ चलते हैं, तो परलोक में जीव को सुख के साधन मिलते हैं। अशुभ कर्म परलोक में साथ चलते हैं, तो परलोक में जीव को दुःख के निमित्त मिलते हैं। पुण्य से सुख और पापों से दुःख मिलते हैं। आचार्यश्री ने कहा की जीवन पानी के बुलबुले के समान है। जो अधिक समय टिक नहीं सकता। कुछ घटनाएं जीवन को झकझोर जाती हैं। जो कार्य उपदेश नहीं कर पाते ऐसी घटनाएं व्यक्ति के जीवन में वैराग्य पैदा कर देती हैं, इसलिए आप और हम यह सोच कर नहीं चले कि जीवन लंबा है। समय रहते जाग जाएंगे तो कुछ अच्छा कार्य कर लेंगे। उन्होंने कहा कि हमने इस शरीर को ही सब कुछ मान लिया है लेकिन शरीर नश्वर है ओर आत्मा अमर है। हमें शरीर से इतनी आत्मीयता हो जाती है कि हम संकेतों की भाषा को समझ कर भी नहीं समझना चाहते। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व में कोई धर्म के आधार पर तो कोई मानवता के आधार पर दान करते हैं। दोनों में मानव कल्याण की भावनाएं निहित हैं क्योंकि हमारा जीवन एक-दूसरे पर आधारित होने से एकदूसरे की जरूरत रहती है। दान में भावना देने के पहले, देने के समय व देने के बाद भी शुद्ध रहनी चाहिए तभी दान सफल सार्थक कहलाता है, वस्तुत: दान अपनी मन की संतुष्टि के लिए होना चाहिए। सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

सरल व्यक्तित्व के धनी थे आचार्यश्री शुभचंद्र : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को आचार्य श्री शुभचंद्र जी की 86वीं जयंती मनाई गई। इस मौके पर ज्ञानमुनिजी ने कहा कि आचार्य शुभचंद्र जी सादगी, शांति और सौम्यता के त्रिवेणी संगम थे। वे आचार्य होते हुए भी शिष्य बन कर जिए और नाम के अनुरूप शुभ भावों में रमण करते रहे। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि उन्होंने आचार्यश्री को बहुत करीब से देखा है। उनका चेहरा बहुत ही प्रफ्फुलित था। उनका सभी के प्रति प्रेम था। उनके लिए कोई तेरा नहीं, कोई मेरा नहीं था। वे सरल व्यक्तित्व के धनी थे। उनके लिए सभी समान थे। गुरुदेव के बताए मार्गों पर चल कर सभी को अपना जीवन सुधार लेना चाहिए। गुरुदेव ने कहा कि इस दुनिया में सभी सुख चाहते हैं। मनुष्य ही नहीं बल्कि जीव जन्तु भी सुख चाहते हैं। संसार में जन्म लेने वाला हर जीव सुख चाहता है। किसी को भी दुख पसंद नहीं है। दुख आए तो वह बात अलग है, लेकिन इसको चाहता कोई नहीं है। लेकिन सुख, दुख अपने कर्मों के हिसाब से ही मिलता है।

ज्ञानमुनिजी ने कहा कि मनुष्य को सुख तो चाहिए, लेकिन अपनी जरूरतों के हिसाब से वह पाप करता रहता है। पाप करने के बाद जब उसका उदय होता है तो दुख मिलना निश्चित है। अगर सुख चाहिए तो पाप के मार्गों से दूर होना ही पड़ेगा। अगर संसार में रहकर हर वक्त पाप करते रहोगे, तो आने वाले समय में दुख निश्चित ही मिलेगा। भगवान महावीर ने सत्य अहिंसा का मार्ग बतलाया है, क्योंकि वह सभी के लिए सुख की कामना करते हैं। लेकिन वर्तमान में मनुष्य अपने हिसाब से गलत मार्गों पर चल कर गलत कार्य करता है और दुख आने पर भगवान से कहता है। भगवान का भजन करेंगे, याद करेंगे, तो सुख मिलेगा। जैसे गुड़ खाओगे तो मुंह मीठा होगा, वैसे ही भजन करोगे तो शांति मिलेगी। मनुष्य का मन बहुत खतरनाक होता है। मन की सुन कर मनुष्य पाप पर पाप करता जा रहा है। ऐसा करने के बाद जब दुख आता है तो वह दूसरों को दोषी बताता है। अपने मन को भटकने से रोकना है तो गुड़ मांगने पर नमक देना चाहिए। गुड़ मांगने पर गुड़ देंगे तो मन पर नियंत्रण करना संभव नहीं होगा। जहां पर दो लोग बात करते हों वहां बीच में नहीं बोलना चाहिए। रविवार को संतों के दर्शन के लिए कर्नाटक जैन कांफ्रेंस के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, उपाध्यक्ष दिनेश पोकरणा, कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया, कोयम्बटूर से राजेशकुमार गादिया, हेमंत भंसाली एवं गौतम सिंघवी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित हुए। अनेक वक्ताओं ने आचार्य श्री शुभचंद्रजी की जयंती पर अपने विचार व्यक्त किए। सभी का स्वागत संघ के संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

माजीसा भक्त मंडल की सातवीं वार्षिक पैदल यात्रा आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । श्रावण मास के अवसर पर माजीसा भक्त मंडल द्वारा 7वीं वार्षिक पैदल यात्रा का आयोजन किया गया।

यहा यात्रा बिन्नी मिल रोड स्थित माजीसा मंदिर से प्रारंभ होकर बिन्नी मिल रोड के संतोषी माता मंदिर, अक्कीपेट के बाबा रामदेव मंदिर, कॉटनपेट के चामुंडा माता मंदिर, बिन्नी मिल रोड के नीलकंठ महादेव मंदिर तथा दासरहल्ली अग्रहार के बाबा रामदेव मंदिर की यात्रा कर पूजा की। लगभग पांच घंटे की भक्ति यात्रा के पश्चात श्रद्धालु सुबह 10:15 बजे राजगोपाल नगर, पीनिया स्थित वन्नेसिंह भोमिया जी मंदिर पहुंचे, जहां यात्रा का समापन हुआ। इस आयोजन में चम्पालाल शर्मा, भंवर सिंह भाटी, गोरधन सिंह भाटी, नारायण सिंह भायल, बाबू सिंह भायल, गणपत सिंह सूरा सहित अनेक भक्तगणों का सक्रिय सहयोग रहा।

पवित्र विचारों का स्मरण कर पिएं जल, बनेगा अमृत : साध्वी आगमश्रीजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन स्थानकवासी श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने अपने प्रवचन में 'पानी को अमृत कैसे बनाएं?' विषय पर कहा कि पहले के समय में लोग जब भी कहीं बाहर जाते थे, तो अपना पानी और भोजन साथ लेकर जाते थे, क्योंकि जल और अन्न के प्रभाव से व्यक्ति के विचार, वाणी और मनोभाव बदल जाते हैं। आज जहां क्रोध, कलह, द्वेष और असंतोष का वातावरण है, वहाँ के नकारात्मक परमाणु उस जल में समा जाते हैं। जब हम वह जल पीते हैं, तो वे भाव हमारे भीतर भी प्रवेश कर जाते हैं। जल ग्रहण करते समय हमें पंच परमेष्ठियों का स्मरण करना चाहिए। तीर्थंकरों, महापुरुषों की समता, सहनशीलता और दिव्यता को याद करते हुए, उनके गुणों को अपने भीतर आने देने का संकल्प करना चाहिए।

इससे जल औषधि बन जाता है, अमृत बन जाता है। ऐसा जल पीने से हमारे रोग दूर हो सकते हैं और मनोबल व आध्यात्मिक शक्ति बढ़ती है। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने धन्यवाद दिया। मंत्री सज्जन बोहरा ने संघ के आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया।

विरती व्रत उच्चारण के साथ संयम स्पर्श भाव दीक्षा का कार्यक्रम सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाश्रीजी की निश्रा में नेमीनाथ परमात्मा के दीक्षा कल्याणक के आलंबन में देश विरती व्रत उच्चारण के साथ संयम स्पर्श भाव दीक्षा का कार्यक्रम आयोजित हुआ। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर भाव दीक्षा की अनुभूति की। साध्वीश्री ने एक मुमुक्षु आत्मा की संयम मुहूर्त प्रधान से लेकर संयम स्वीकार की अंतर की भावना से रजोहरन स्वीकार तक का वर्णन किया। इस भाव दीक्षा कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने चतुर्मुख परमात्मा की प्रदक्षिणा देते हुए नृत्य किया और सभी ने सम्यक्तव सहित 12 व्रत का उच्चारण रूप देशविरती का पच्चखान लिया।

भजन संध्या :

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के आशापुरा गैर मंडल एवं आशापुरा गौ भक्त मंडल द्वारा शनिवार को गोट्टीगरे स्थित श्री अय्यप्पा स्वामी मंदिर में आशापुरा एवं सोनाणा खेतलाजी की विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। भक्त दिलीप सोनी की उपस्थिति में स्थानीय कलाकार हेमंत जोशी ने भजनों की प्रस्तुति दी तथा गैर मंडल के सदस्यों ने राजस्थानी वेशभूषा में ढोल नगाड़ों के साथ नृत्य किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने भगवान श्री अय्यप्पा स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राजस्थानी एवं स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित थे ।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com